वार्षिक प्रतिवेदन

2015-2016

Bihar State Disaster Management Authority

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

आपदा नहीं हो भारी
यदि पूरी हो तैयारी

आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार

# माननीय मुख्यमंत्री-सह-प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नीतीश कुमार

बिहार को एक आपदा मुक्त राज्य बनाने के संकल्प के प्रति समर्पित बिहार के लोकप्रिय, कर्मयोगी राजनेता बिहार के माननीय मुख्यमंत्री-सह-अध्यक्ष बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्राधिकरण इस संकल्प की प्राप्ति की ओर निरंतर अग्रसर है।

2015-16 का वर्ष आपदाओं की दृष्टि से चुनौतियों भरा रहा परंतु माननीय मुख्यमंत्री-सह-प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सुरक्षित बिहार की जो नींव रखी गयी, वह भारत ही नहीं अपितु विश्व के कई देशों में अग्रणी है। सेंडाई में मार्च 2015 में आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण के तृतीय विश्व सम्मेलन में तत्कालीन प्रधान सचिव आपदा प्रबंधन श्री व्यास जी द्वारा भारतीय प्रतिनिधिमंडल में बिहार का प्रतिनिधित्व किए जाने के साथ ही बिहार में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के एक नए अध्याय का सूत्रपात हुआ। उपरोक्त सम्मेलन की पृष्ठभूमि में माननीय मुख्यमंत्री-सह-प्राधिकरण के अध्यक्ष के निर्देशानुसार बिहार सरकार ने भी राज्य के लिए एक आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोडमैप (2015-30) तैयार करने का निर्णय लिया।

माननीय मुख्यमंत्री-सह-प्राधिकरण के अध्यक्ष के कुशल नेतृत्व में एक वर्ष के अंदर ही व्यापक एवं सघन विचार-विमर्श के पश्चात बिहार का आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोडमैप (2015-30) बनकर तैयार हुआ और उसे कैबिनेट का अनुमोदन भी प्राप्त हो गया।

माननीय मुख्यमंत्री-सह-प्राधिकरण के अध्यक्ष के दृढ संकल्प और आपदा प्रबंधन के प्रति समर्पण की झलक उनके इस प्रेरणदायी वक्तव्य में देखने को मिलती है - **राज्य के खजाने पर आपदा प्रभावितों का पहला हक है....**

# विषय सूची

1. प्राधिकरण की दृष्टि

2. प्राधिकरण का लक्ष्य, उद्देश्य एवं भूमिका

3. सदस्यों का मनोनयन

4. भवन

5. प्राधिकरण के लिए स्वीकृत पद

6. प्राधिकरण के प्रशासनिक संभाग की रूप रेखा

7. प्राधिकरण के प्रमुख कार्यक्षेत्र

8. प्राधिकरण की 9वीं बैठक

9. परियोजना एवं अन्य गतिविधियाँ

10. प्राधिकरण के पदाधिकारियों का विवरण

बि0रा0आ0प्र0प्रा0 के उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार सिन्हा, सदस्य प्रो ए0 एस0 आर्या एवं सदस्य डॉ0 उदय कांत मिश्र के दिशा-निर्देश में वरीय संपादक मोनीषा दुबे द्वारा संकलित एवं संपादित।

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

''बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का गठन'' आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 (53 की धारा 14 के अंतर्गत) के प्रावधानों के अंतर्गत बिहार सरकार द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 3449/आ0प्र0 दिनांक 06.11.2007 के तहत हुआ है। माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, प्राधिकरण के पदेन अध्यक्ष तथा मुख्य सचिव पदेन सदस्य एवं मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हैं। प्राधिकरण में एक उपाध्यक्ष समेत कुल 9 सदस्य रखने का प्रावधान हैं।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, उपरोक्त 2005 के अधिनियम के उपबंधों के आलोक में राज्य में आपदा प्रबंधन के लिए नीतियां एवं योजनाएं बनाने के लिए उत्तरदायी है।

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 18 के अंतर्गत राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को यह दायित्व सौंपा गया है कि वह राज्य में आपदा प्रबंधन की नीतियों एवं योजनाओं का सूत्रण सुनिश्चित करेः-

(क) राज्य आपदा प्रबंधन नीति निर्धारण करना।

(ख) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार राज्य योजना का कार्यान्वयन करना।

(ग) राज्य सरकार के विभागों द्वारा तैयार की गयी आपदा प्रबंधन योजनाओं का अनुमोदन करना।

(घ) आपदा न्यूनीकरण के समावेशन और तैयारी उपायों के लिए निधियों की व्यवस्था करने की अनुशंसा राज्य सरकार को करना।

(ड.) राज्य के विभिन्न विभागों की विकास योजनाओं की समीक्षा कर सुनिश्चित करना कि आपदाओं की रोकथाम एवं न्यूनीकरण के उपाय इन योजनाओं में शामिल किये गये हैं।

(च) राज्य सरकार के विभागों द्वारा आपदा न्यूनीकरण, प्रशमन, क्षमतावर्द्धन और तैयारी के लिए किये जा रहे उपायों की समीक्षा करना एवं आवश्यकतानुसार मार्गदर्शक सिद्धांत जारी करना।

उपरोक्त के आलोक में आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 19 के अनुसार राज्य के आपदा प्रभावितों के राहत के लिये मानदण्ड तय करना (परंतु यह मानदण्ड किसी भी दशा में ''राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण'' द्वारा निधारित मानदण्ड से कम नही होना चाहिये)।

'आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005' के अनुसार प्राधिकरण की राज्य कार्यकारिणी समिति को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में समन्वयन की सुपरिभाषित जवाबदेही सौंपी गयी है। प्रत्येक जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा तैयार किये गये आपदा प्रबंधन योजना का अनुमोदन करने की जिम्मेदारी प्राधिकरण की है। 'आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005' के अनुसार किसी भी आपदा के उत्पन्न होने की दशा में यदि प्राधिकरण संतुष्ट है कि बचाव या राहत के लिये किसी सामग्री की तुरंत आवश्यकता है, तो वह संबंधित विभाग अथवा प्राधिकार को यह निदेश दे सकता है कि वह आकस्मिकता से निपटने के लिये सामग्री या संसाधन की व्यवस्था करे या ऐसे मामलो मे निविदा आमंत्रित करने की शर्त शिथिल रखे।

## प्राधिकरण की दृष्टि

**'सुरक्षित एवं आपदा मुक्त बिहार का निर्माण'**

## प्राधिकरण के प्रेरक सिद्धांत

**विकास ऐसा हो जो आफत से बचाये ।**
**विकास ऐसा न हो जो आफत बन जाये।।**

**आपदा नहीं हो भारी ।**
**यदि पूरी हो तैयारी ।।**

## प्राधिकरण का लक्ष्य, उद्देश्य एवं भूमिका

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अन्तर्गत राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में किये जाने वाले कार्यों को विहित किया गया है।इसके अंतर्गत राज्य आपदा प्रबंधन नीति बनाना, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित नीति के अंतर्गत राज्य योजना का अनुमोदन करना, राज्य सरकार के अधीन विभिन्न विभागों द्वारा तैयार किये गये आपदा प्रबंधन योजनाओं का अनुमोदन करना, तैयार मार्गदर्शिका को संबंधित विभागों से कार्यान्वित कराना, आपदा की स्थिति में अनिवार्य राशि के व्यय की अनुशंसा करना, विभिन्न विभागों द्वारा अपनी विकास योजनाओं में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को शामिल कराना तथा आपदा प्रबंधन से संबंधित विकास योजना की समीक्षा करना आदि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुख्य दायित्व हैं।

## सदस्यों का मनोनयन

माननीय मुख्यमंत्री इस प्राधिकरण के अध्यक्ष तथा मुख्य सचिव पदेन सदस्य सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी है। श्री अनिल कुमार सिन्हा, भा0प्र0से0 (से0नि0) को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। तदनुसार वे दिनांक 02.08.2010 के प्रभाव से आलोच्य वर्ष में उपाध्यक्ष के पद पर पदासीन रहे। प्राधिकरण के सदस्य के रूप में प्रो ए0 एस0 आर्य (से. नि. प्रोफेसर भूकम्प अभियंत्रिकी, आई0आई0टी0, रूड़की) दिनांक 15.4.2010 ) से कार्यरत हैं। प्राधिकरण के सदस्य के रूप में डॉ0 उदयकान्त मिश्र, (से. नि. प्रतिकुलपति आर्यभटट ज्ञान विश्वविद्यालय) ने दिनांक 15.4.2015 को पदभार ग्रहण किया है। ये दोनों महानुभाव आलोच्य वर्ष में सदस्य के रूप में कार्यरत रहे।

## भवन

सम्प्रति बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कार्यालय पंत भवन, द्वितीय तल,पर स्थित है,जो कृषि विपणन पर्षद बिहार, पटना से किराये पर ली गई है। एकरारनामे के अनुसार किराये की राशि प्रतिमाह ₹79637/- (उन्नासी हजार छः सौ सैतीस रू0) निर्धारित है।

# प्राधिकरण का प्रतीक चिन्ह (Logo)

वर्ष 2007 में प्राधिकरण के गठन के बाद तत्काल अपने **Logo** का विकास नहीं हो पाया था। प्राधिकरण द्वारा अपना **Logo** बनवाने के लिए पटना आर्ट कॉलेज में दिनांक-26.11.2010 को एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

प्राधिकरण द्वारा **Logo** के संबंध में प्रतियोगिता का पारितोषिक/प्रशस्ति पत्र के वितरण का कार्यक्रम दिनांक-26.5.2011 को कला एवं शिल्प महाविद्यालय, पटना के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में कला एवं शिल्प महाविद्यालय, पटना के छात्रों द्वारा भाग लिया गया। इस महाविद्यालय के छात्र श्री गौतम कुमार द्वारा **Logo** का प्रारूप तैयार किया गया, जिसे चयन समिति द्वारा चयनित किया गया। उल्लेखनीय है कि **Logo** में दर्शाया गया हाथ का चिह्न गौतम बुद्ध का है तथा इसमें दिखाया गया मकान/घर भूकम्प से प्रभावित है, इसी हाथ के नीचे दिया गया पानी बाढ़ का सूचक है। इनके माध्यम से यह बताने का प्रयास किया गया है कि अन्य आपदाताओं के अतिरिक्त बिहार राज्य बाढ़ एवं भूकम्प के लिए सर्वाधिक संवेदनशील है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के बीच द्वार पारितोषिक एवं प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया।

# प्राधिकरण के स्वीकृत पद-

वर्तमान में प्राधिकरण हेतु स्वीकृत पदों की सूची अनुलग्नक-1 पर उपलब्ध है।

**वित्तीय वर्ष 2009-10 में प्राधिकरण का पूर्नगठन होने के फलस्वरूप वर्तमान में प्राधिकरण का संघटनात्मक ढांचा निम्न प्रकार है :-**

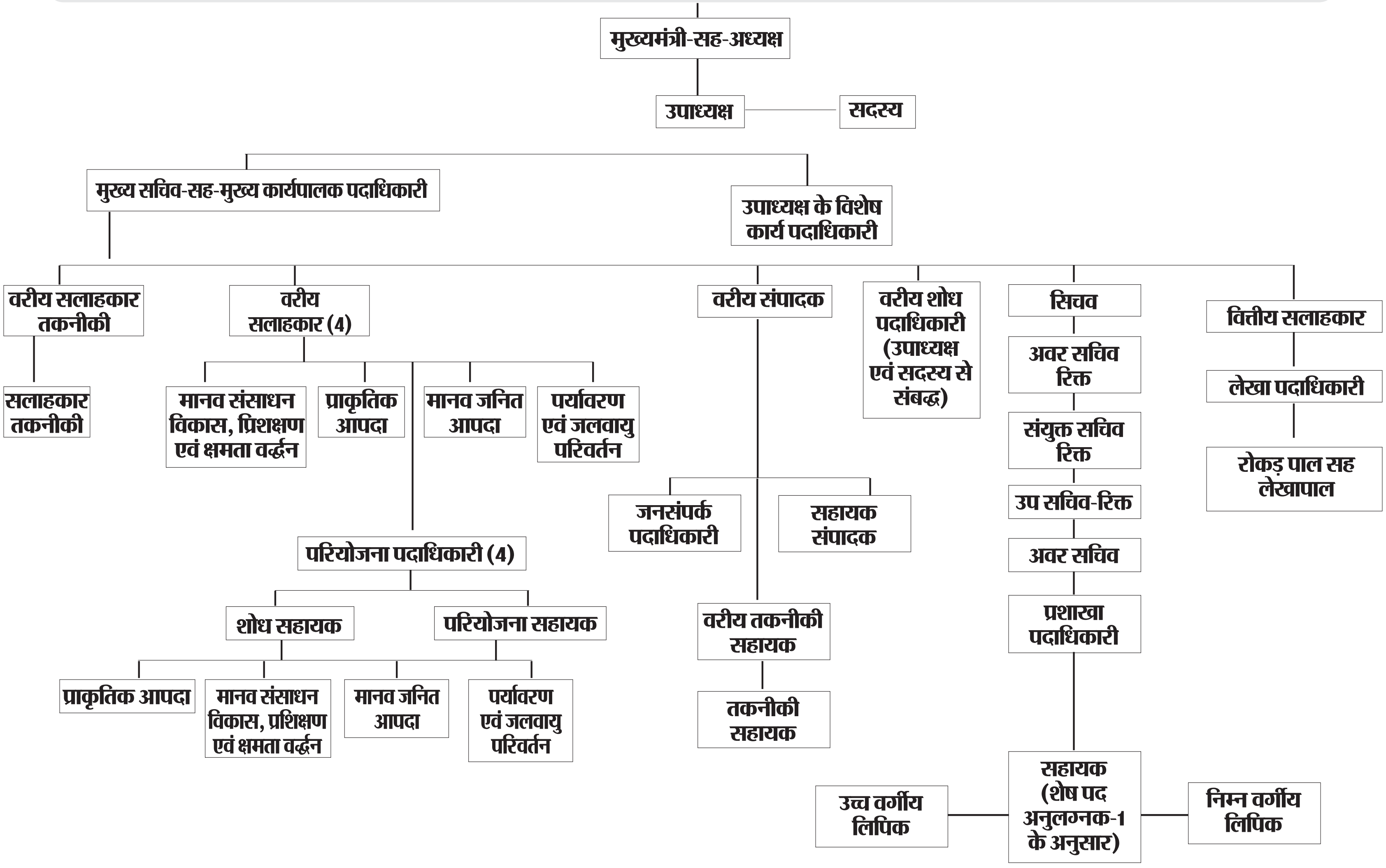

# आपदा जोखिम न्यूनीकरण में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की भूमिका

बिहार में आपदा का संपूर्ण परिदृश्य विभिन्न आपदाओं के सम्मिश्रण से उत्पन्न होता है जो कि यहाँ के निवासियों के लिए अत्यंत विषम परिस्थितियाँ उत्पन्न करता रहा है । यह एक बहुआपदा प्रवण राज्य है जहाँ सभी प्रमुख प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं का कहर समय समय पर राज्य के निवासियों पर बरपा है । राज्य के सभी 38 ज़िले विभिन्न आपदाओं के लिए प्रवण हैं । बाढ़, भूकंप, चक्रवाती तूफ़ान, सुखाड़, अगलगी लू, शीत लहर आदि अनेक प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदायें राज्य को प्रभावित करती रही हैं । राज्य के 8 ज़िले भूकंप के सर्वाधिक संवेदनशील Zone V में 24 ज़िले Zone IV में तथा 6 ज़िले Zone III में आते हैं । इसी प्रकार बाढ़ कि दृष्टि से भी बिहार अत्यंत संवेदनशील है। राज्य के कुल 28 ज़िले बाढ़ के प्रति संवेदनशील हैं जिनमे 15 ज़िले अति बाढ़ प्रवण एवं 13 ज़िले बाढ़ प्रवण की श्रेणी में आते हैं ।

विभिन्न आपदाओं के संयुक्त प्रभाव को देखते हुए राज्य के आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोडमैप (2015-30) में सभी ज़िलों को तीन श्रेणियों में रखा गया है - श्रेणी A में बाढ़ के प्रति अत्यंत संवेदनशील एवं भूकंपीय Zone V में शामिल 10 ज़िलों को शामिल किया गया है, श्रेणी B में अन्य बाढ़ प्रवण एवं भूकंपीय Zone IV में शामिल 18 ज़िलों को रखा गया है और श्रेणी C में मुख्यतः सुखाड़ के प्रति संवेदनशील एवं भूकंपीय Zone III में शामिल 10 ज़िलों को रखा गया है । इस प्रकार के श्रेणी विभाजन में अन्य आपदाओं को भी संज्ञान में लिया गया है ।

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 में सभी राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के दायित्वों एवं अधिकारों का उल्लेख किया गया है। इसके प्रावधानों के अनुसार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के प्रमुख दायित्व इस प्रकार हैं-

- राज्य आपदा प्रबंधन नीति का निर्धारण
- राज्य आपदा प्रबंधन योजना का अनुमोदन
- राज्य की विभिन्न आपदा प्रबंधन योजनाओं का अनुमोदन
- राज्य की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के प्रावधानों को शामिल करने संबंधी दिशा निर्देशों का निरूपण
- राज्य आपदा प्रबंधन योजना के निष्पादन का समन्वय
- आपदाओं के न्यूनीकरण एवं उनसे निपटने की तैयारी के लिए आवश्यक कोष (Funds) हेतु संस्तुति प्रदान करना।

- आपदा जोखिम न्यूनीकरण को समाहित करने के परिप्रेक्ष्य में राज्य की विभिन्न विकास योजनाओं का पुनरीक्षण करना ।
- राज्य के विभिन्न विभागों द्वारा आपदाओं के न्यूनीकरण एवं क्षमता निर्माण एवं तैयारी के प्रयासों का पुनरीक्षण एवं तत्संबंधी आवश्यक दिशा निर्देशों का निरूपण ।
- राज्य में आपदाओं के पश्चात राहत वितरण के मानक निर्धारित करना जो कि राष्ट्रीय मानकों से कमतर नहीं होने चाहिए ।
- राज्य आपदा प्रशमन कोष (State Disaster Mitigation Fund) की स्थापना ।

**आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 में प्रावधानित उपरोक्त सभी दायित्वों का बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा निर्वहन किया जा रहा है ।इन दायित्वों के निरूपण हेतु प्राधिकरण द्वारा समय समय पर अनेक गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं और अनेक परियोजनाओं का क्रियान्वयन भी किया जाता है जिनमें मुख्य हैं-**

- आपदा जोखिम न्यूनीकरण को केन्द्र में रख कर राज्य एवं ज़िला स्तर पर संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण।
- राज्य, ज़िला एवं विभागीय स्तर पर आपदा प्रबंधन योजनाओं का निर्माण ।
- सभी भागीदारों एवं प्रभावितों का आपदा प्रबंधन संबंधी क्षमता वर्धन, प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम ।
- संरचनात्मक जोखिम न्यूनीकरण एवं सुरक्षित निर्माण को बढ़ावा देने के लिए अभियंताओं, वास्तुविदों एवं राजमिस्त्रियों को भूकंपरोधी निर्माण हेतु प्रशिक्षण।
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण को सभी विकास कार्यों में समाहित करना ।
- सभी आपदाओं के संबंध में प्रभावशाली पूर्व सूचना प्रणाली को विकसित करना ।
- आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में नए शोध कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना एवं तत्संबंधी सहयोग प्रदान करना ।

**प्राधिकरण के इन समस्त कार्यक्रमों एवं योजनाओं को संचालित एवं क्रियान्वित करने हेतु प्राधिकरण में निम्नानुसार पाँच प्रभाग कार्यरत हैं-**

- प्राकृतिक आपदा प्रभाग
- मानव जनित आपदा प्रभाग
- पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग
- मानव संसाधन विकास, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण प्रभाग
- प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रभाग

इन प्रभागों के अतिरिक्त मीडिया एवं आई टी प्रभाग द्वारा प्राधिकरण के कार्यों के संपादन एवं प्रचार-प्रसार एवं Mass Messaging में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया जाता है ।

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रभाग एवं गतिविधियां

प्राधिकरण में लक्ष्यों/उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए निम्नांकित प्रभागों का गठन किया गया है, जो प्राधिकरण के क्रिया कलापों को चार भाग में कार्यान्वित करते हैं।

## 1. मानव संसाधन विकास, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण प्रभाग

प्राधिकरण के मानव संसाधन विकास, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण प्रभाग के प्रमुख कार्यों का निरूपण बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कृत्य एवं प्रबंधन नियमावली 2012 में किया गया है। इसके अनुसार इस प्रभाग द्वारा विभिन्न परिसंकटों (प्राकृतिक एवं मानव) के शमन एवं तत्परता के लिए निम्नलिखित क्रिया कलाप किए जायेंगे-

- क्षमता निर्माण करना, विभिन्न पणधारकों (स्टेक होल्डर्स) का लक्ष्यांकन (प्रथमत: सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सरकारी पदाधिकारियों की क्षमता निर्माण के लिए लक्ष्यांकित किया जाएगा)।
- वास्तुविदों, अभियंताओं, चिकित्सकों, शिक्षाविदों, उद्योगपतियों विनिर्माताओं और संविदाकारों आदि से संपर्क साधना ताकि दोषपूर्णता मूल्यांकन, जोखिम विश्लेषण और आपदा प्रबंधन के विभिन्न घटकों में शिक्षा एवं प्रशिक्षण दिया जा सके।
- वांछित फलाफल की प्राप्ति के लिए समुचित रणनीति तैयार करना।
- विभिन्न स्तर पर लोगों की समुचित शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए आवश्यक पाठ्यक्रम तैयार करना।
- प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए सांस्थिक सुविधाएँ सृजित करने और शैक्षिक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने में सहायता करना।
- न केवल पूर्व से कार्यरत सभी पदधारकों को प्रशिक्षण देना बल्कि सरकार, विभिन्न उपक्रमों या गैर सरकारी संगठनों के अधीन सेवा में आने वालों को भी निरंतर प्रशिक्षित करना।

**नियमावली के उपर्युक्त उपबंधों की प्राप्ति की ओर अग्रसर रहते हुए इस प्रभाग द्वारा प्रमुख रूप से निम्न कार्यक्रमों योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया-**

- राज्य के सभी 38 ज़िलों के लिए बहु आपदा ज़िला आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण प्रारंभ किया गया। इसके क्रियान्वयन के क्रम में 30 जुलाई 2015 को पटना में एक Inception workshop आयोजित किया गया जिसमे ज़िला आपदा प्रबंधन योजना बनाने में कार्यरत सभी एजेंसियों द्वारा कार्य की रूपरेखा प्रस्तुत की गयी। पुन: 6, 7 जनवरी, 2016 को सभी एजेंसियों के साथ कार्य के प्रगति की समीक्षा की गयी।
- ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के सुदृढ़ीकरण एवं सफल क्रियान्वयन हेतु दिशा निर्देश तैयार किया जा रहा है।
- ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में ज़िलों की विभिन्न आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए उन्हे आवश्यकतानुसार प्रशिक्षित एवं अनुभवी मानव संसाधन प्रदान करने की दिशा में प्रयास चल रहे हैं।
- कार्यालय आपदा प्रबंधन योजना (Office Disaster Management Plan) के संबंध में विभिन्न विभागों को संवेदित एवं प्रशिक्षित किया गया।
- आपदा संवाद मंच के माध्यम से समय–समय पर विभिन्न विशेषज्ञों को प्राधिकरण में आमंत्रित किया गया और विभिन्न प्रमुख विषयों पर उनके व्याख्यान आयोजित किए गए।
- समय–समय पर विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को नियमित रूप से Internship

कार्यक्रम में सम्मिलित किया गया ।

- 25-26 अप्रैल 2015 एवं 12 मई 2015 को आए भूकंप के परिप्रेक्ष्य में प्राधिकरण द्वारा तत्काल एक EOC स्थापित किया गया जो लगभग एक महीने तक कार्यरत रहा उसमें राज्य के विभिन्न हिस्सों के प्रभावितों की समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए संबंधित एजेंसियों को उनके निराकरण हेतु प्रेषित किया गया ।
- राज्य के प्रशासन की रीढ़ माने जाने वाले बिहार प्रशासनिक सेवा (BAS) के पदाधिकारियों का बिपार्ड के साथ मिलकर आपदा प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।2 जुलाई 2015 को 8 वाँ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।
- माननीय मुख्यमंत्री सह अध्यक्ष बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से पहली बार 1-15 जुलाई 2015 तक विद्यालय सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन पूरे राज्य में किया गया। यह आयोजन शिक्षा विभाग एवं NDRF के सहयोग से किया गया। इस संबंध में 3 जुलाई 2015 को पटना में माननीय मुख्यमंत्री सह अध्यक्ष बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की उपस्थिति में लगभग 5000 छात्र-छात्राओं द्वारा गांधी मैदान पटना में एक सामूहिक Mega Mock Drill का आयोजन किया गया ।माननीय मुख्यमंत्री ने 4 जुलाई को विद्यालय सुरक्षा दिवस घोषित किया ।इस पखवारे की तैयारी के सिलसिले में 1 जून 2015 को प्रेम चन्द्र रंगशाला में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया ।
- नगरीय आपदा प्रबंधन योजना (City Disaster Management Plan) की तैयारी के संबंध में विभिन्न भागीदारों (Stake Holders) के साथ बैठक का आयोजन 19 जून 2015 को किया गया ।
- आपदा के पश्चात होने वाली क्षतियों के सही मूल्यांकन के लिए Post Disaster Needs Assessment (PDNA) Tools पर ADPC, Bangkok के सहयोग से 21-23 सितंबर 2015 तक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।
- अन्य प्रभागों की तरह मानव संसाधन, विकास, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण प्रभाग के लिए भी एक सलाहकार समिति का गठन किया गया और इसकी पहली बैठक 7 नवम्बर 2015 को आयोजित की गयी ।
- 27-28 नवम्बर 2015 को प्राधिकरण द्वारा नगरीय विकास विभाग के सहयोग से राज्य के विभिन्न नगरीय निकायों में कार्यरत लगभग 250 अभियंताओं एवं वास्तुविदों के लिया भूकंपरोधी निर्माण तकनीकों पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।
- ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में आपदा प्रबंधन (विशेष रूप से पशुओं के संबंध में) के प्रति जन जागरूकता पैदा करने के लिए एक शिविर का आयोजन 23 नवम्बर से 24 दिसंबर 2015 तक हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में किया गया ।
- प्राधिकरण के 8 वें स्थापना दिवस (6 नवम्बर) के उपलक्ष्य में 19 दिसंबर 2015 को अधिवेशन भवन (सिंचाई भवन परिसर) पटना में 'साझा 2015' कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।यह कार्यक्रम राज्य स्वयं सेवक दिवस के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के स्वयं सेवकों के साथ आयोजित किया गया ।
- प्रत्येक वर्ष की भाँति 2015 में भी 22-23 मार्च 2016 को बिहार दिवस के अंतर्गत प्राधिकरण द्वारा अन्य भागीदारों के साथ समन्वय में एक जागरूकता पैवेलियन बनाया गया ।इसके माध्यम से हज़ारों की संख्या में लोगों में आपदा के प्रति जागरूकता पैदा की गयी ।
- राजमिस्त्रियों की ट्रेनिंग?

## 2. मानव जनित आपदा प्रभाग

**बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (कृत्य एवं प्रबंधन) नियमावली 2012 के अनुसार मानव जनित आपदा प्रभाग की भूमिका एवं प्रमुख कृत्य इस प्रकार हैं-**

- बिहार में मानव जनित परिसंकट तथा उनसे लोग अपनी सुरक्षा कैसे कर सकते हैं, इसके बारे में जागरूकता उत्पन्न करना ।
- पूर्व कार्रवाई करने के प्रति पणधारकों (Stakeholders) को संवेदनशील बनाना ताकि परिसंकट का प्रभाव न्यूनतम किया जा सके ।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यालयों और अस्पतालों, औषधालयों की सुरक्षा के प्रति ध्यान केंद्रित करना ।
- नगर निगम, नगरपालिका परिषदों और नगर पंचायतों की भवन उपविधियों में उपांतरण पुनः स्थापित करना तथा उपविधियों के प्रभावी प्रवर्तन के लिए उन्हें सशक्त बनाना ।

- मानव जनित आपदाओं के घटित होने के संबंध में ज़िला पंचायतों एवं ग्राम सभाओं को संवेदनशील बनाना उन्हें सशक्त करना तथा उनके आवासीय/शासकीय मकानों की व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए साधारण दिशा निर्देश उपलब्ध करना ।
- विश्लेषण एवं योजना बनाने के लिए मॉक ड्रिल आयोजित करना ।
- सभी मानव जनित परिसंकटों के प्रभाव का शमन करने के लिए विभिन्न पणधारको (Stakeholders) की क्षमता निर्माण में सहायता करना।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा जारी सुसंगत दिशा निर्देशों को प्रसारित करना और राज्य में उनके कार्यान्वयन के लिए कदम उठाना ।

**नियमावली के उपर्युक्त उपबंधों की प्राप्ति की ओर अग्रसर रहते हुए इस प्रभाग द्वारा प्रमुख रूप से निम्न कार्यक्रमों/योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया –**

- अग्नि सुरक्षा सप्ताह 14 – 20 अप्रैल के दौरान प्राधिकरण द्वारा बिहार अग्नि शमन सेवा के साथ मिलकर अनेक जागरूकता कार्यक्रमों एवं स्कूलों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया ।
- पर्व एवं त्यौहारों के दौरान भीड़ प्रबंधन एवं आग से संबंधित मानवीय भूलों एवं असावधानियों के कारण होने वाली अनेक दुर्घटनाओं से बचाव हेतु विभिन्न समाचार पत्रों एवं अन्य माध्यमों द्वारा Dos & Don'ts का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया ।
- छठ पर्व को बिना किसी दुर्घटना के सुचारु रूप से सम्पन्न कराने के लिए प्राधिकरण ने ज़िला प्रशासन के साथ पूर्ण सहयोग किया। पटना में तैनात विभिन्न दंडाधिकारियों को प्राधिकरण द्वारा भीड़ प्रबंधन एवं मेला प्रबंधन पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया ।
- मानव जनित आपदा पर प्राधिकरण द्वारा गठित सलाहकार समिति की पहली बैठक 31 अक्टूबर 2015 को आयोजित की गयी जिसमें प्राधिकरण द्वारा पूरे वर्ष में किए जाने वाले प्रयासों की एक रूपरेखा तैयार की गयी ।
- सड़क सुरक्षा सप्ताह (10-16 जनवरी, 2016) के दौरान परिवहन विभाग, ट्रैफिक पुलिस, इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स तथा अन्य भागीदारों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा पर अनेक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

## 3. प्राकृतिक आपदा प्रभाग

**प्राधिकरण के प्राकृतिक आपदा** प्रभाग **के प्रमुख कार्यो का निरूपण बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (कृत्य एवं प्रबंधन) नियमावली 2012 में दिया गया है, जिसके अनुसार इस प्रभाग के प्रमुख कार्य निम्नवत है:-**

- बिहार में परिसंकट तथा अपनी सुरक्षा लोग कैसे कर सकते हैं, इसके बारे में जागरूकता उत्पन्न करना।
- पूर्व कार्रवाई करने के प्रति पणधारको (Stakeholders) को संवेदनशील बनाना ताकि परिसंकट का प्रभाव न्यूनतम किया जा सके।
- ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यालयों और अस्पतालों/औषधालयों की सुरक्षा के प्रति ध्यान केन्द्रित करना।
- नगर निगम, नगरपालिका परिषदों और नगर पंचायतों की भवन उपविधियों में उपांतरण पुन: स्थापित करना तथा उपविधियों के प्रभावी प्रवर्तन के लिए सशक्त बनाना।
- प्राकृतिक आपदाओं के घटित होने के संबंध में जिला पंचायतों और ग्राम सभाओं को संवेदनशील बनाना तथा सशक्त करना एवं उनके आवासीय मकानों की सुरक्षा के लिए साधारण दिशा-निर्देश उपलब्ध कराना।
- यह सुनिश्चित करना कि नये निर्माण की रूप-रेखा आपदारोधी हों और अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री एवं प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाए।
- विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं के अधीन विद्यमान विनिर्माणों मुख्यत: भवनों, पुलों, बांधो आदि की सुरक्षा का मूल्यांकन करना

तथा उनमें रेट्रोफिटिंग का तरीका विकसित करना ताकि भविष्य में संपूर्ण विध्वंस या गंभीर क्षति से सुरक्षा की जा सके।

- आपदा जोखिम में कमी सहित उपयुक्त आपदा प्रबंधन के लिए Mock Drills आयोजित करना।
- सभी प्राकृतिक परिसंकटों के प्रभाव या शमन करने के लिए विभिन्न पणधारकों (Stakeholders) के क्षमता निर्माण में सहायता करना।
- एन0डी0एम0ए0 द्वारा जारी दिशा-निर्देशों को प्रसारित करना तथा उनके लिए कदम उठाना।
- जहाँ कहीं आवश्यक हो, शहरी स्थानीय निकायों की भवन उपविधियों में उपान्तरणों को पुन: स्थापित करना।

**नियमावली के उपर्युक्त उपबंधो की प्राप्ति की ओर अग्रसर रहते हुए इस प्रभाग द्वारा प्रमुख रूप से निम्न कार्यक्रमों/योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया -**

- बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग के संकल्प संख्या 125 दिनाँक 13 जनवरी 2012 के अनुपालन मे इस वर्ष भी बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्त्वावधान में 15 से 21 जनवरी 2016 के मध्य भूकंप सुरक्षा सप्ताह केअन्तर्गत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्राधिकरण द्वारा इस संबंध मे सभी ज़िला पदाधिकारियों को निर्देश भेजे गये। जिलों से इस सप्ताह मे भूकंप सुरक्षा संबंधी जागरूकता फैलाने के लिए व्यापक रूप से कार्यक्रमों को आयोजित करने को कहा गया।
- ज़िला स्तरीय कार्यक्रमों के अतिरिक्त प्राधिकरण द्वारा राज्य स्तर पर भी अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गये। 15 एवं 16 जनवरी 2015 को प्राधिकरण द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य आरसीसी की बहुमंज़िली इमारतों की भूकंपरोधी संरचना संबंधी जानकारी प्रदान करना था। बिहार के वे अभियंता एवं वास्तुविद जो इस विषय मे रुचि रखते हैं या इन विषयों के प्रशिक्षक बनना चाहते हैं, mUgksua इस कार्यक्रम में भाग लिया।
- बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पाँच महत्त्वपूर्ण विषयों पर सलाहकार समितियों का गठन किया गया है जिसे माननीय मुख्यमंत्री जी का भी अनुमोदन प्राप्त है। भूकंप संबंधी सलाहकार समिति की पहली बैठक का आयोजन 20 जनवरी 2015 को किया गया। Hkwdai lykgdkj lfefr dh nwljh cSBd fnukad 15-01-2016 dks vk;ksftr dh x;hA इस बैठक में बिहार में भूकंप जोखिम न्यूनीकरण संबंधी कार्यक्रमों एवं नीतियों की कार्य योजना बनाने पर चर्चा हुई। देश के लब्धप्रतिष्ठ भूकंप विशेषज्ञों को इस सलाहकार समिति में शामिल किया गया है।

## 4. पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग

- पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन अनुकूलन से संबंधित उभरती विचारधाराओं एवं सुसंगत विषयों के प्रति जागरूकता लाना ।
- बिहार की वर्तमान एवं भावी अर्थव्यवस्था की चुनौतियों को रेखांकित करना ।
- क्षमता वर्धन Capacity Building के लिए विभिन्न पणधारकों (Stakeholders) यथा सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों में सरकारी पदाधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना व संवेदनशील बनाना तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, गैर सरकारी संगठनों, सिविल सोसाईटी आदि में कार्मिकों को प्रशिक्षित करना इत्यादि है ।
- बिहार में बार-बार होने वाली सुखाड़ की स्थितियों का विश्लेषण करना और अनुकूलन उपायों के लिए जलवायु परिवर्तन के रूझानों को ध्यान में रखते हुए उनके शमन के लिए संभावित उपायों की योजना बनाना ।
- नेशनल मिशन के अंतर्गत बिहार राज्य में 'स्टेट क्लाईमेट चेंज सेंटर' में आपदा प्रबंधन के अवयव के विकास का प्रस्ताव तैयार करना इस प्रकार का प्रस्ताव।
- निरूपित प्रस्ताव को पर्यावरण एवं वन विभाग को भेजा गया, जिसे उनके स्तर से अनुशंसा के साथ केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार को भेजा गया है। जिसे उनके स्तर से अनुशंसा के साथ केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार को भेजा गया है।

■ ''कोसी बेसिन में आपदा प्रबंधन न्यूनीकरण एवं प्रतिरोधक्षमतापूर्ण आजीविका (Resilient livelihood) विषयान्तर्गत ICIMOD के संयुक्त सहयोग से एक ''नॉलेज फोरम'' कार्यशाला का आयोजन बामेती के सभागार में 4-5 फरवरी 2016 की अवधि में कराया गया।

इस कार्यशाला के दौरान प्रमाण आधारित ज्ञान और उसके कार्य अवयवों को निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा dh x ;hA

- कोसी बेसिन में बाढ़ एवं सुखाड़ संबंधित आपदा न्यूनीकरण एवं अतिसंवेदनशीलता।
- कोसी बेसिन में आपदा की चुनौती और अंतर्निहित शक्तियों को ज्ञान से नीति में परिवर्तित करना।
- प्रमाण आधारित ज्ञान को क्षेत्रीय सहयोग के जरिये किस तरह प्रभावकारी नीति में बदला जाय।

## आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं क्षमता विकास पर बिहार

# प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम-सह-मॉकड्रिल

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए 8वें प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं मॉक ड्रिल का आयोजन 2 जुलाई 2015 को किया गया । बिहार प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बिहार प्रशासन की रीढ़ होते हैं । आपदा जोखिम में कमी और क्षमता निर्माण हेतु जागरूकता का बहुत बड़ा योगदान होता है। 12 सौ प्रशासनिक अधिकारियों में अब तक एक चौथाई अधिकारियों का आपदा जोखिम नयूनीकरण प्रशिक्षण किया गया है, जिससे कि किसी भी आपदा के समय वे तत्परता से राहत और बचाव कर सकेंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बिहार प्रशासनिक सेवा के करीब चालीस अधिकारी आपदा जोखिम न्यूनीकरण से संबंधित विभिन्न मुद्दों से अवगत हुए । विभिन्न विभागों और संवर्गों से संबंधित अधिक-ारियों को भी प्रस्तुतियों और (Case studies) से किसी भी आपदा के दौरान उसे कैसे प्रबंधित किया जाये, इसका भी प्रशिक्षण दिया गया । एन0डी0आर0एफ कर्मियों द्वारा एक मॉक ड्रिल भी आयोजित किया गया, जिसमें आपदा के समय बचाव के रोमांचक प्रयास और अनुभवों से लोग परिचित हुए। इस दौरान एन0डी0आर0एफ के जवानों ने प्राथमिक चिकित्सा और रासायनिक खतरों की स्थिति में बचाव और राहत पर मॉक ड्रिल कर विस्तृत प्रकाश डाला।

# बिहार दिवस 2016

सभी स्टॉल ने प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से बचने के लिए लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर बाढ़, भूकंप, चक्रवात, अग्निकांड व अन्य आपदाओं के प्रभाव को कम करने और उनके प्रति तैयार रहने के लिए विशेष मॉक-ड्रिल भी आयोजित किये गये। सुरक्षित भवन निर्माण के मॉडल, अपार्टमेंट सुरक्षा के लिए विशेष स्टॉल के जरिये वास्तुविद अभियंता और बिल्डरों को प्रोत्साहित किया गया।

बिहार दिवस के रूप में बिहार के 104वें स्थापना दिवस समारोह के आयोजन के उपलक्ष्य पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा गांधी मैदान में मुख्य समारोह स्थल पर एक विशाल पवेलियन स्थापित किया गया इसका मुख्य उद्देश्य आपदाओं के संबंध में जागरूकता और उसके न्यूनीकरण को लेकर किये जा रहे प्रयासों से जन-मानस को रूबरू करना था, जिससे आपदा के प्रभाव को कम किया जा सके।

वर्ष 2016 में 22-23 मार्च को आयोजित बिहार दिवस समारोह में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अपने विभिन्न सहयोगियों के साथ अनकों स्टॉलों के माध्यम से अपनी गतिविधियों एवं आपदा के विभिन्न आयामों/विषयों पर जनमानस विशेष कर बच्चों महिलाओं, छात्र-छात्राओं, अभियंताओं, वास्तुविदों इत्यादि को ध्यान मे रखकर विभिन्न कार्यक्रम तैयार किये । इसके अंतर्गत एन0डी0आर0एफ, एस0डी0आर0एफ0, सिविल डिफेंस, रेडक्रास, ऑक्सफेम, बिहार राज्य अग्निशमन सेवा, एन0आई0टी0, बी0आई0टी0, पटना ट्रैफिक पुलिस, हैम रेडियों, यूनिसेफ, सेव द चिल्ड्रेन आदि के स्टॉल शामिल थे। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पवेलियन का उद्घाटन राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्री, प्रो0 चन्द्रशेखर तथा समापन राज्यपाल श्री राम

नाथ कोविंद द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो0 चन्द्रशेखर ने बिहार दिवस पर प्राधिकरण के पैवेलियन के माध्यम से आपदाओं के प्रति की जा रही जागरूकता की सराहना की और पैवेलियन में स्थित विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर उनके कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

सभी स्टॉल ने प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं से बचने के लिए लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर बाढ़, भूकंप, चक्रवात, अग्निकांड व अन्य आपदाओं के प्रभाव को कम करने और उनके प्रति तैयार रहने के लिए विशेष मॉक–ड्रिल भी आयोजित किये गये। सुरक्षित भवन निर्माण के मॉडल एवं अपार्टमेंट सुरक्षा के लिए विशेष स्टॉल के जरिये वास्तुविदों अभियंताओं और बिल्डरों को प्रोत्साहित किया गया। भूकंप सुरक्षा केन्द्र में लाईफ साइज भवनों के मॉडलों द्वारा सुरक्षित निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण की जानकारी दी गयी। आपदा के समय पशु–संपदा की रक्षा पर भी लोगों को जागरूक किया गया। ट्रैफिक पार्क के जरिए लोगों में खासकर बच्चों में चेतना जागृत करने के लिए विशेष स्टॉल लगाये गए। आपदा पर पेंटिंग और क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। आपदा से बचाव पर आधारित विभिन्न विषयों पर फिल्म प्रदर्शन के लिए फिल्म गैलरी भी बनायी गयी। सुरक्षित स्कूल बनाने के लिए अलग से प्रदर्शन की व्यवस्था की गई।

प्राथमिक चिकित्सा का आपदा के बाद बहुत बड़ा योगदान होता है जैसे आपदा के समय में हड्डियों के टूटने पर कैसे बैंडेज करें, हृदयघात के दौरान व्यक्ति को राहत कैसे पहुंचाए, सांप के काटने पर क्या करें। अग्नि आदि विषयों पर उचित जानकारियों के अनुभव में छोटी आपदाओं में भी गंभीर रूप ले सकती है। आपदा स्थल पर उपलब्ध सामग्री स्ट्रेचर कैसे बनाए इन सभी का विशेषज्ञों द्वारा प्रदर्शन किया गया जिसमें एन0डी0आर0एफ0 और एस0डी0आर0एफ0 के कर्मचारियों की भूमिका प्रमुख रही। आपदा के समय ब्लड बैंक की ओर से जागरूकता और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जलवायु परिवर्तन के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए स्टॉल लगाये गये, जहां लोगों को विस्तृत जानकारी दी गयी। बड़े आयोजन के दौरान भीड़ प्रबंधन भी बहुत जरूरी होता है। इस वर्ष भी वरीय नागरिकों, महिलाओं, युवा और बच्चों को केन्द्रित कर आपदा–जोखिम न्यूनीकरण की अवधारणा को कार्य रूप देने का प्रयास किया गया।

# अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण-सह-मॉक ड्रिल कार्यक्रम

14 से 20 अप्रैल 2015 तक चले अग्नि सुरक्षा सप्ताह के तीसरे दिन बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से अग्नि सुरक्षा के अंतर्गत 100 पंचायत मुखियाओं के लिए अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण सह मॉक-ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक दिवसीय अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण सह मॉक-ड्रिल कार्यक्रम का उद्घाटन अलग-अलग पंचायत/प्रखंड की महिला मुखियाओं द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि प्राधिकरण के नव मनोनीत सदस्य डॉ0 उदय कांत मिश्र ने कहा कि हमारे यहां अक्सर मौत तैयारी के अभाव में होती है। 9वीं बटालियन एन0डी0आर0एफ0 के श्री विजय सिन्हा ने बताया कि एन0डी0आर0एफ0 का गठन रिस्पांस फोर्स के तौर पर किया गया है जोकि आपदा में रिस्पांस के अतिरिक्त जन-जागरूकता का भी काम कर रही है। बिहार ग्राम स्वराज सोसाईटी के श्री ओम प्रकाश, राज्य परियोजना पदाधिकारी ने भी खेत, खलिहान और ग्रामीण क्षेत्रों में आग की घटनाओं के कारण और उससे कैसे करें बचाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आपदा के वक्त हम खुद प्रथम रिस्पाउंडर हों तो बाहरी की मदद में भी थोड़ी विलंब हो भी जाए तो नुकसान अधिक नहीं होगा। कार्यक्रम में रेडक्रॉस की आपदा प्रबंधन समन्वयक वंदना सिंह ने भी रेडक्रॉस की भूमिका और ग्रामीण क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे जागरूकता अभियान की जानकारी दी।

कार्यक्रम में अधिक अगलगी वाले क्षेत्रों के मुखियाओं ने अपने अनुभव को लोगों के समक्ष रखा। एन0डी0आर0एफ0 शरीर में आग लग जाने के बाद उसका प्रथम उपचार करने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुखिया को अग्नि से सुरक्षा के लिए मॉक-ड्रिल के माध्यम से जागरूक किया गया।

# बाढ़ एवं सुखाड़ के दौरान सतत् कृषि कार्य पर कार्यशाला

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पूरे राज्य में चलाये जा रहे बाढ़ सुरक्षा सप्ताह (1-7 जून) के अंतर्गत 4 जून, 2015 को स्थानीय होटल मौर्या में बाढ़ एवं सुखाड़ के दौरान सतत् कृषि कार्य विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य बिहार में प्रत्येक वर्ष आने वाली बाढ़ एवं सुखाड़ के प्रति लोगों को सचेत करना और विशेष रूप से कृषि संबंधी सावधानियों से लोगों को अवगत कराना था। बिहार में एक ही समय में कई जिले बाढ़ की चपेट में होते हैं, वही बहुत सारे जिले सूखे की मार झेल रहे होते है। ऐसे में एक समेकित जल प्रबंधन की आवश्यकता है। इस कार्यशाला में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष,

**बिहार में एक ही समय में कई जिले बाढ़ की चपेट में होते हैं, वही बहुत सारे जिले सूखे की मार झेल रहे होते है। ऐसे में एक समेकित जल प्रबंधन की आवश्यकता है।**

श्री अनिल कुमार सिन्हा के अतिरिक्त केन्द्रीय जल आयोग के पूर्व अध्यक्ष, श्री विभाष कुमार, आई0आई0टी0, कानपुर के प्रो0 राजीव सिन्हा, प्रो0 संतोष कुमार, डॉ0 ए0के0 सिंह, डॉ0 बी0 के0 सिन्हा, डॉ0 पी0सी0 चंदन, डॉ0 दिनेश मिश्र, डॉ0 सामन्त, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के डॉ0 ए0के0 सेन, FMISC के डॉ0 सरोज वर्मा आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

# नेपाल बिहार भूकम्प-2015

1934 के बाद से अब तक के भीषणतम भूकम्प का सामना बिहार राज्य के लोगों को अप्रैल-मई 2015 में करना पड़ा, जब 25-26 अप्रैल एवं 12 मई को आये अति तीव्रता के भूकम्प ने लोगों को झकझोर दिया। इस भीषण भूकम्प के बाद दहषत से लोगों ने कई रातें अपने घरों से बाहर खुले स्थानों या पार्कों में गुजारीं।

दिनांक 25 अप्रैल को दिन में अपराह्न लगभग 11:40 पर रिक्टर पैमाने पर 7.9 परिमाण का भूकम्प आया जिसका केन्द्र काठमांडू (नेपाल) से लगभग 80 कि० मी० उत्तर पश्चिम में था। इसके अगले ही दिन, यानि 26 अप्रैल को 6.7 तीव्रता था भूकम्प पुनः आया और इसका भी केन्द्र नेपाल में ही था। इन दोनों भूकम्प की तीव्रता इतनी अधिक थी कि देश के अनेक राज्यों और विशेष कर बिहार में पूरे राज्य में इसके प्रभाव एवं तीव्र झटकों को महसूस किया गया। इन दोनों भूकम्प के कुछ दिनों बाद 12 मई को भी लगभग 7.4 की तीव्रता का भूकम्प पुनः आया और एक बार फिर इसे पूरे बिहार में महसूस किया गया। इन भूकम्पों से बिहार में लगभग 60 लोगों की जान गई, सैकड़ों घायल हुए और कुछ स्थानों पर सम्पत्तियों को भी नुकसान पहुँचा।

25 अप्रैल को शनिवार (अवकाश) का दिन होने के बावजूद भूकम्प आते ही प्राधिकरण की पूरी टीम सक्रिय हो गई। प्राधिकरण के पदाधिकारियों ने सर्वप्रथम सही सूचनाओं को एकत्र करना प्रारम्भ किया। इन सूचनाओं एवं जानकारियों के आधार पर ही आगे की रणनीति तय किया जाना था। एकत्र सूचनाओं के साथ प्राधिकरण में एक आपात बैठक 26 अप्रैल (रविवार) को बुलाई गई जिसमें आगे की रणनीति तय की जानी थी। बैठक के दौरान ही 26 अप्रैल को भूकम्प के तेज झटके आये। कुछ देर रोकने के पश्चात् बैठक पुनः जारी रही। इस बैठक में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गयेः-

(1) आपदा प्रबंधन विभाग के साथ सामंजस्य में तत्काल एक (24X7) आपातकालीन संचालन केन्द्र (EOC) प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया और साथ ही यह निर्णय लिया गया कि (EOC) में प्राप्त सूचनाओं/षिकायतों को संबंधित पदाधिकारियों/विभागों तक पहुँचाया जाये जिससे उनका निराकरण हो सके।

(2) चूँकि नेपाल सीमा से लगे जिलों में भूकम्प का प्रभाव अधिक होने की जानकारियाँ प्राप्त हो रही थी, अतः यह निर्णय लिया गया कि प्राधिकरण की चार टीमें बनाकर महत्वपूर्ण बार्डर स्थलों के लिए रवाना की जायें और वहाँ की वस्तुस्थिति और चलाये जा रहे राहत कार्यों की सही जानकारी प्राप्त हो सके।

**आपातकालीन संचालन केन्द्र :-**

बैठक में हुए निर्णय के अनुसार प्राधिकरण में तत्काल एक 24X7 आपातकालीन संचालन केन्द्र (EOC) स्थापित किया गया जो कि आपदा प्रबंधन विभाग के आपातकालीन संचालन केन्द्र के अतिरिक्त था। दोनों आपातकालीन संचालन केन्द्रों के नम्बर विज्ञापनों के माध्यम से व्यापक रूप से प्रसारित कराये गये। प्राधिकरण के आपातकालीन संचालन केन्द्र में प्राप्त शिकायतों/समस्याओं को दैनिक आधार पर संबंधित विभागों को अग्रेसित किया गया। इस प्रकार यह आपतकालीन संचालन केन्द्र प्राधिकरण में लगभग 1 माह तक संचालन किया गया।

**प्राधिकरण की टीमों का प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमणः-**

प्राधिकरण द्वारा नेपाल बार्डर के भूकम्प प्रभावित क्षेत्रों में चार टीमें भेजने का फैसला लिया गया। इस प्रकार गठित चार टीमों ने निम्नलिखित क्षेत्रों का दौरा कियाः-

जोगबनी - बॉर्डर (फॉरबिसगंज, अररिया)<br>
रक्सौल - बॉर्डर (पूर्वी चम्पारण)<br>
जयनगर - बॉर्डर (मधुबनी)<br>
बरगैनिया - (सीतामढ़ी)

इन सभी क्षेत्रों में प्राधिकरण के दो-दो वरीय पदाधिकारियों को भेजा गया।

**इन टीमों के भ्रमण का उद्देश्य था-**

(क) इन क्षेत्रों में भूकम्प प्रभावित लोगों से मिलकर भूकम्प के पश्चात किसी प्रकार के व्यवहार परिवर्तन की जानकारी प्राप्त करना।

(ख) भूकम्प प्रभावित क्षेत्रों में समुदाय एवं अन्य भागीदारों से संबंधित मुद्दों और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त करना।

(ग) बॉर्डर क्षेत्रों में राहत शिविरों में जाकर वहाँ की समस्याओं आदि की जानकारी प्राप्त करना।

(घ) इन क्षेत्रों में चलाये जा रहे भूकम्प राहत कार्यों का आकलन करना।

(च) भूकम्प से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएँ, चित्र, वीडियों आदि संग्रहीत करना।

(छ) कोई अन्य महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करना।

# बिहार के सरकारी/गैर-सरकारी अभियन्ताओं एवं वास्तुविदों के लिये, पाँच दिवसीय प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण संबंधी कार्यशाला

यह प्रशिक्षण का प्रथम चरण था और इसमें बिहार के इच्छुक सरकारी/गैर-सरकारी अभियन्ताओं एवं वास्तुविदों के लिये, पाँच दिवसीय (27-31 मई, 2015), प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों पर अलग-अलग उम्मीदवारों का मूल्यांकन किया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा सरकारी/गैर-सरकारी अभियन्ताओं एवं वास्तुविदों के लिए पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 27 से 31 मई 2015 तक किया गया। इस संबंध में पूर्व में दिनांक 20 जनवरी, 2015 को पटना में भूकम्प सलाहकार समिति की प्रथम बैठक में विशेषज्ञों द्वारा यह सुझाव दिया गया था कि बिहार में समर्पित एवं प्रशिक्षित अभियंताओं/वास्तुविदों की टीम की पहचान की जाय, उन्हें प्रशिक्षित किया जाय, उनका मूल्यांकन किया जाय और उन्हें भवनों के भूकम्परोधी निर्माण एवं रेट्रोफिटिंग हेतु प्रशिक्षक के रूप में चयन किया जाय। चयनित प्रशिक्षित टीम के सदस्यों का कुछ प्रशिक्षण अनुभव प्राप्त कर लेने के बाद, उन्हें मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जाय।

इस प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्‌घाटन उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार सिन्हा द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राधिकरण के अन्य सदस्यगण प्रो0 ए0 एस0 आर्य तथा डॉ0 उदयकान्त मिश्र, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव श्री व्यास जी एवं भवन निर्माण विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती अंशुलि आर्य उपस्थित थे।

इस प्रशिक्षण के उपरांत इन प्रशिक्षकों को बिपार्ड द्वारा कराये जा रहे अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण में तथा प्राधिकरण अथवा सरकारी या गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा आयोजित कतिपय कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिये, आमंत्रित किया जा सकेगा। किसी सम्भावित भूकम्प आपदा के घटित होने के बाद, क्षतिग्रस्त संरचनाओं के मूल्यांकन में भी इन प्रशिक्षित पेशेवरों की सेवा ली जा सकती है।

यह प्रशिक्षण का प्रथम चरण था और इसमें बिहार के इच्छुक सरकारी/गैर-सरकारी अभियन्ताओं एवं वास्तुविदों के लिये, पाँच दिवसीय (27-31 मई, 2015), प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों पर अलग-अलग उम्मीदवारों का मूल्यांकन किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन 31 मई, 2015 को हुआ। पाँच दिवसीय प्रशिक्षण एवं विभिन्न विषयों में मूल्यांकन के उपरांत सभी प्रतिभागियों (लगभग 45) को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किये गए। साथ ही मूल्यांकन के पश्चात् प्रशिक्षक के रूप में सफल घोषित हुए लगभग 30 प्रतिभागियों को विशिष्ट प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

# मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

बच्चों के सुरक्षा के मद्देनजर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं बिहार षिक्षा परियोजना परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में वर्ष 2015 में विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत बच्चों एवं शिक्षकों को विभिन्न आपदाओं के संदर्भ में मॉकड्रिल आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का भी सहयोग लिया गया। विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के समेकित प्रतिवेदनों के आधार पर राज्य के 67,000 सरकारी एवं 50,000 निजी विद्यालयों में मॉकड्रिल आयोजित किये गये।

बिहार राज्य में सरकार के स्तर से आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोडमैप (वर्ष 2015-2030) विकसित किया है, जिसमें विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम को प्रमुखता से समाहित किया गया है। इस संदर्भ में माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की 7 वीं बैठक (दिनांक 24.05.2013) में विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम पूरे राज्य में संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसी कारण इस कार्यक्रम का नामकरण मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम रखा गया है। उक्त कार्यक्रम के माध्यम से यह प्रयास किया जा रहा है कि विद्यालयों एवं बच्चों को सुरक्षित किया जाय एवं विभिन्न आपदाओं से होनेवाली क्षति को कम करने के प्रति जागरूक किया जाय ताकि अगली पीढ़ी का बेहतर निर्माण किया जा सके। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के संयुक्त तत्वावधान में वर्ष 2015 में विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत बच्चों एवं शिक्षकों के लिए विभिन्न आपदाओं के संदर्भ में मॉकड्रिल आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का भी सहयोग लिया गया। विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के समेकित प्रतिवेदनों के आधार पर राज्य के 67,000 सरकारी एवं 50,000 निजी विद्यालयों में मॉकड्रिल आयोजित किये गये। इस कार्यक्रम में लगभग 02 करोड़ छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। 1.51 लाख नोडल शिक्षकों को चयनित कर मॉकड्रिल आयोजित करने का प्रषिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के तहत 6 लाख विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों को भी शामिल किया गया। प्रचार-प्रसार सामग्री के रूप में (मॉकड्रिल से संबंधित) ब्रोशर (Brochure) की 50 लाख प्रतियां विद्यालयों में वितरित की गई। राज्य स्तर पर 400 शिक्षकों को मास्टर प्रषिक्षक के रूप में तैयार किया गया। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2015-16 में 01-15 जुलाई तक विद्यालय सुरक्षा पखवाड़ा मनाया गया जिसमें सभी विद्यालयों में बाढ़, भूकंप एवं आगजनी से संबंधित आपदाओं से बचाव के बावत प्रशिक्षण तथा उसके अभ्यास के रूप में मॉकड्रिल आयोजित किया गया।

**इस कार्यक्रम के उपरान्त निम्नलिखित उपलब्धियां रहीं–**

- बच्चों में आपदा पूर्व तैयारी करने की संस्कृति विकसित हुई।
- विद्यालयों के शिक्षक एवं बच्चे अपनी सुरक्षा के प्रति संवेदनशील हुए।
- विद्यालय सुरक्षा विषय से संबंधी मास्टर प्रशिक्षण तैयार किये गये।
- बच्चों को जागरूक करने हेतु आई0ई0सी0 सामग्रियॉ विकसित किये गये।
- मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत संपादित किये गये कार्यो के अनुसार विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत बुनियादी कार्य एवं बच्चों की सुरक्षा के प्रति अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति सदस्यों को भी कुछ हद तक जागरूक करने की दिशा में सकारात्मक पहल हुए है।

# नगरीय आपदा प्रबंधन योजना हेतु बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक

38 जिलों का जिला आपदा प्रबंधन योजना बनाना इस दिशा में अति महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना से जिला प्रशासन को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करने की एक सुनिश्चित दिशा तथा कार्य योजना प्राप्त होगी। साथ ही जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सुदृढ़ होगा।

शहरों में बढ़ते आपदा के खतरों एंव प्रभावों के मद्देनजर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा नगरीय आपदा प्रबंधन योजना तैयार करने के संबंध में एक बैठक का आयोजन दिनांक 19.06.2015 को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सभागार में किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों एंव गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। नगरीय विकास में आपदा जोखिम की अनदेखी से उसके बढ़ते कुप्रभावों एंव नगरों में ज्यादा होने वाली आपदाओं के प्रति तैयारी एवं उनके बचाव की रणनीति बनाने के संबंध में बैठक में चर्चा की गयी। पटना एवं बिहार के अन्य बड़े शहर सभी प्रकार की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं के प्रति संवेदनशील हैं। नगरीय आपदा के प्रबंधन के लिए पूरे नगरीय प्रशासन को समन्वय में काम करने की आवश्यकता है। शहरों में भूकंप से होने वाली क्षति पर प्रकाश डालते हुए प्राधिकरण के सदस्य प्रो0 ए0 एस0 आर्य ने बहुमंजिली इमारतों के निर्माण में ली जाने वाली सावधानियों एवं नियमों के पालन पर प्रकाश डाला। बैठक में नगर विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंण्डिया, यूनिसेफ, सेव द चिल्ड्रेन, कैरिटॉस आदि के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया और नगरीय आपदा प्रबंधन के विषय में अपने विचार व्यक्त किये।

# जिला आपदा प्रबंधन योजना पर ''समीक्षात्मक कार्यशाला''

38 जिलों का जिला आपदा प्रबंधन योजना बनाना इस दिशा में अति महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना से जिला प्रशासन को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करने की एक सुनिश्चित दिशा तथा कार्य योजना प्राप्त होगी। साथ ही जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सुदृढ़ होगा।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 6-7 जनवरी, 2016 को जिला आपदा प्रबंधन योजना की परामर्शी एवं समीक्षात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। आपदा प्रबंधन नियमावली 2005 के सेक्शन 31(1) के आलोक में बिहार के 38 जिलों में बहु-आपदा जिला प्रबंधन योजना को तैयार करने का कार्य बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में 9 विभिन्न एजेन्सियों के द्वारा प्रारंभ किया गया।

इसी संबंध में सभी एजेन्सियों द्वारा तैयार किए गए प्रारंभिक रिपोर्ट की प्रस्तुति से संबंधित दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार के माननीय मंत्री प्रो0 चन्द्रशेखर द्वारा किया गया। उद्घाटन संबोधन में माननीय मंत्री ने कहा कि बिहार राज्य बहु-आपदा प्रवण राज्य है। ऐसी विषम परिस्थिति में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का यह दायित्व बनता है कि राज्य के 10.50 करोड़ जन-मानस को बहु-आपदा से संरक्षण प्रदान करें। बिहार के 38 जिलों का जिला आपदा प्रबंधन योजना बनाना इस दिशा में अति महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना से जिला प्रशासन को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कार्य करने की एक सुनिश्चित दिशा तथा कार्य योजना प्राप्त होगी। साथ ही जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सुदृढ़ होगा। इस योजना का सबसे उत्तम पहलू यह है कि जिला प्रशासन के सभी line departments को आपदा के पूर्व दौरान और बाद की स्थिति में, किये जाने वाले कार्यों में अपने roles and responsibilities मे अच्छी तरह से ज्ञात होगी।

इसके पूर्व श्री पी0 एन0 राय, महानिदेशक (अग्निशाम सेवा) एवं महासमादेष्टा (गृह सुरक्षा वाहिनी) ने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन योजना में व्यवहारिक योजनाएं बननी चाहिए। इस अवसर पर अंतराष्ट्रीय विशेषज्ञ लॉय रेगो, एन0डी0एम0ए0 के सदस्य श्री कमल किशोर, माननीय मंत्री, आपदा प्रबंधन के आप्त सचिव श्री कृष्णानंद यादव, एन0डी0एम0ए0 के पूर्व सदस्य प्रो0 एन0 वी0 सी0 मेनन, प्रो0 प्रधान पार्थसारथी, यू0एन0डी0पी0 की आभा मिश्रा आदि उपस्थित थे।

# कोसी-बेसिन क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर दो दिवसीय नॉलेज फोरम

विशिष्ट अतिथि जल संसाधन तथा योजना एवं विकास विभाग, श्री राजीव रंजन सिंह ने अपने संदेश में कहा कि आज के वर्तमान परिवेश में इस कार्यशाला की विषय वस्तु काफी उपयुक्त एवं चुनौतीपूर्ण मद्दों पर आधारित है। बिहार प्रदेश को जहां प्रतिवर्ष एक तरफ बाढ़ की विभीषिका झेलनी पड़ती है तो दूसरी ओर सुखाड़ का सामना करना पड़ता है।

काठमांडू स्थित International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD) तथा Department of Foreign Affairs and Trade (DFAT), Govt. of Australia ने संयुक्त रूप से कोशी बेसिन मे उपरोक्त विषय पर गहन कार्य 2013 में प्रारंभ किया है। इसके अंतर्गत बाढ़ पूर्व चेतावनी प्रणाली का विकास, जल विद्युत उत्पन्न, किये जाने का प्रयास तथा समुदाय द्वारा उपलब्ध साधनों के समुचित उपयोग की प्रणाली का विकास भी शामिल है।

इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखकर इस क्षेत्र में कार्य कर रहे सभी प्रमुख सहभागियों यथा बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD) ए0 एन0 सिन्हा, इंस्टीट्यूट पटना, आई0आई0टी0, कानपुर, द इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ (IEG), नई दिल्ली तथा नेपाल एवं चीन की संस्थाओं के सहयोग से चुनौतियों को अवसर में बदलने के प्रयोजन से पटना के बामेती परिसर में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 4-5 फरवरी 2016 को किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन आपदा प्रबंधन मंत्री, प्रो0 चन्द्रशेखर

ने किया। अन्य विशिष्ट अतिथियों में वाणिज्य कर मंत्री, बिहार सरकार श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, जल संसाधन तथा योजना एवं विकास मंत्री बिहार सरकार श्री राजीव रंजन सिंह, लो कुआन ये स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी के प्रो0 असित के0 बिस्वास, एन0डी0एम0ए0 के सदस्य श्री कमल किशोर, एन0आई0डी0एम0 के अधिशासी निदेशक प्रो0 संतोष कुमार, महानिदेशक अग्निशाम सेवा एवं होमगार्ड, श्री पी0एन0 राय, ICIMOD के डॉ0 एकलव्य शर्मा, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार सिन्हा एवं सदस्य डॉ0 उदयकांत मिश्र आदि उपस्थित थे।
विशिष्ट अतिथि के रूप में वाणिज्य कर मंत्री, बिहार सरकार, श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने कहा कि कोशी के इतिहास में यह पहली बार है कि इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे अधिक तबाही मचाने वाली एवं सबसे खतरनाक नदियों में चीन की नदी व्हांग हो तथा भारत की कोशी नदी को कहा जाता है। कोशी बेसिन क्षेत्र की समस्या को समझने और उसका समाधान निकालने के लिए पहले हमें कोशी की स्थिति, प्रकृति एवं व्यवहार को समझना आवश्यक है क्योंकि कोशी की बाढ़ किसी आम बाढ़ की तरह नहीं होती है । कोशी की बाढ़ से इस क्षेत्र का पूरा भूगोल ही बदल जाता है। विशिष्ट अतिथि जल संसाधन तथा योजना एवं विकास विभाग, श्री राजीव रंजन सिंह ने अपने संदेश में कहा कि आज के वर्तमान परिवेश में इस कार्यशाला की विषय वस्तु काफी उपयुक्त एवं चुनौतीपूर्ण मद्दों पर आधारित है। बिहार प्रदेश को जहां प्रतिवर्ष एक तरफ बाढ़ की विभीषिका झेलनी पड़ती है तो दूसरी ओर सुखाड़ का सामना करना पड़ता है। जहां तक कोशी नदी का प्रश्न है उत्तरी बिहार के अधिकांश जिलों को कोशी नदी की बाढ़ की विभीषिका का सामना करना पड़ता है और ऐसी परिस्थिति में इस कार्यशाला का महत्व और भी बढ़ जाता है।

# वर्ष 2015-16 के दौरान प्राधिकरण की सलाहकार समितियों की बैठक

आपदाओं की बढ़ती संख्या एवं तीब्रता इसका प्रमाण है। इन्हीं विषयों पर चर्चा के लिए और प्राधिकरण को दिशा प्रदान करने हेतु विशेषज्ञों ने अनेक सुझाव दिये। सलाहकार समिति की इस बैठक में मुख्य रूप से डा0 मोहम्मद युनुस, प्रो0 एम0 एस0 नहावत, डा0 अनिल कुमार गुप्ता, डा0 अशोक घोष, डा0 शिराज वाजीह, डा0 जे0 एस0 पाण्डया, डा0 प्रधान पार्थ सारथी एवं डा0 हृषिकेश मनु आदि ने भाग लिया।

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के अन्तर्गत बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 2014 में विभिन्न विषयों पर पाँच सलाहकार समितियों गठित की गयीं। ये विषय हैं- बाढ़ एवं सुखाड़, मानव जनित आपदा, भूकम्प, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन तथा मानव संसाधन विकास,क्षमताबर्द्धन एवं प्रशिक्षण। इन सलाहकार समितियों में केवल भूकम्प सुरक्षा पर बनी सलाहकार समिति की पहली बैठक 2014-15 में हो पायी थी। शेष सभी सलाहकार समितियों की पहली बैठक एवं भूकम्प सुरक्षा सलाहकार समिति की दूसरी बैठक का आयोजन वर्ष 2015-16 में किया गया। इन सलाहकार समितियों के सदस्य के रूप में देश के अनेक ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों ने अगले एक वर्ष के लिए प्राधिकरण की योजनाओं के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

वर्ष 2015-16 में सर्वप्रथम 16 जून 2015 को बाढ़ एवं सुखाड़ संबंधी सलाहकार समिति की पहली बैठक पटना में आयोजित की गयी। इस बैठक में अनेक विशेषज्ञों द्वारा बाढ़ एवं सुखाड़ सहित जल प्रबंधन के अनेक पहलुओं पर विचार किया गया और बिहार के संदर्भ में अनेक महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। इस बैठक में मुख्य रूप से श्री गजानन मिश्र, प्रो0 राजीव सिन्हा, प्रो0 एस0 के0 टण्डन, प्रो0 जी0 के0 मोहापात्रा, डा0 विशाल कुमार, डा0 बी0 के0 सिन्हा, डा0 भानू, डा0 विक्रान्त जैन,डा0 एस0 समान्तरे, डा0 ए0 के0 सेन, डा0 अतुल आदित्य पाण्डे, डा0 के0 जे0 आनन्द कुमार, श्री कमल किशोर(सदस्य), एम0डी0एम0ए0 आदि ने बिहार में जल प्रबंधन संबंधी अपने सुझाव दिये।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन पर प्राधिकरण की सलाहकार समिति की पहली बैठक पटना में दिनांक 16 अक्टूबर,2015 को आयोजित की गयी। पिछले कुछ दशकों में भारत सहित पूरे विश्व के पर्यावरण पर जलवायु परिवर्तन का असर देखने को

मिल रहा है। बिहार भी इसके प्रभाव से भी नहीं बच सकता। आपदाओं की बढ़ती संख्या एवं तीव्रता इसका प्रमाण है। इन्हीं विषयों पर चर्चा के लिए और प्राधिकरण को दिशा प्रदान करने हेतु विशेषज्ञों ने अनेक सुझाव दिये। सलाहकार समिति की इस बैठक में मुख्य रूप से डा0 मोहम्मद युनुस, प्रो0 एम0 एस0 नहावत, डा0 अनिल कुमार गुप्ता, डा0 अशोक घोष, डा0 शिराज वाजीह, डा0 जे0 एस0 पाण्डया, डा0 प्रधान पार्थ सारथी एवं डा0 हृषिकेश मनु आदि ने भाग लिया।

प्राकृतिक आपदाओं के साथ-साथ बिहार अनेक मानव जनित आपदाओं का भी शिकार रहा है। मानव जनित आपदाओं में हताहतों की संख्या प्राकृतिक आपदाओं से प्रायः अधिक होती है। ऐसे में मानव जनित आपदाओं को रोकने हेतु एक निश्चित रणनीति बनाना आवश्यक हो जाता है। इन्हीं विषयों पर विशेषज्ञों की राय जानने के लिए मानव जनित आपदा की सलाहकार समिति की पहली बैठक 31 अक्टूबर 2015 को पटना में आयोजित की गयी। इस बैठक में अनेक विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किये जिसमें प्रमुख रूप से मेजर जनरल बी0 के0 नायक, श्री बी0बी0 सन्त, डा0 माधुरी शैरोन,डा0 डी0 एम0 दिवाकर, डा0 राकेश दूबे, डा0 विजय शील गौतम, डा0. ए0 के0 सिन्हा, डा0 आर0 के0 दूबे, श्री आर0 सी0 शर्मा, श्री पी0 एप0 राय, श्री हरीश वाला सुब्रमनी, डा0 डी0 के0 गुप्ता और श्री विजय सिन्हा आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

मानव संसाधन विकास, क्षमतावर्द्धन एवं प्रशिक्षण बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का एक प्रमुख प्रभाग है जो राज्य की हर प्रकार की आपदा से निपटने के लिए सभी भागीदारों (Stakeholders) के क्षमतावर्द्धन एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में काम करता है। इस विषय पर गठित प्राधिकरण की सलाहकार समिति की पहली बैठक 07 नवंबर, 2015 को पटना में आयोजित की गयी। इस बैठक में राज्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण संबंधी क्षमताबर्द्धन एवं प्रशिक्षण पर विशेषज्ञों ने अपनी राय दी। बैठक में प्रमुख रूप से प्रो0 विनोद मेनन, श्री एम0 राजा राम, श्री लॉय रेगो, डा0 हेमन्त कुमार विनायक, डा0 एस0 पी0 सिंह, श्री मिहिर भट्ट, श्री एन0 एम0 प्रुस्ती, डा0 राजन सिन्हा, श्री अंजन बाग, श्री प्रविन्द प्रवीन, श्री सत्य स्वरूप, श्री बंकु बिहारी सरकार, सुश्री वंदना चौहान, श्री बाबुल प्रसाद, श्री अजय कुमार, श्री मुकुल कुमार, श्री खगेश चन्द्र झा आदि शामिल थे।

बिहार राज्य भूकंप के प्रति अत्यन्त संवेदनशील है। राज्य के 8 जिले भूकंप के जोन V, 24 जिले जोन IV और 6 जिले जोन III में आते है। भूकंप सुरक्षा सलाहकार समिति की पहली बैठक गत वर्ष जनवरी 2015 में संपन्न हुई थी और इस वर्ष 15 जनवरी 2016 को भूकंप सुरक्षा सलाहकार समिति की दूसरी बैठक सम्पन्न हुई।

इस बैठक में भूकंप से बचाव हेतु रणनीति बनाने के संबंध में आये हुए विशेषज्ञों ने अपनी राय दी। सलाहकार समिति की इस बैठक में शामिल होने वाले में डॉ0 मुजफ्फर अहमद, प्रो0 वी0के0 शर्मा, श्री बी0के0 रस्तोगी, प्रो0 जमाल हुसैन अंसारी, प्रो0 प्रतिमा रानी बोस, श्री हरि कुमार, डॉ0 ए0 के0 शुक्ल, श्री विपिन राय, प्रो0 चंदन घोष, श्री अखौरी विश्वप्रिय, सुश्री आभा मिश्रा और प्रो0 ए0के0 सिन्हा आदि प्रमुख थे।

# India Disaster Resource Network (IDRN) पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली ने संयुक्त रूप से IDRN पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 28 जुलाई 2015 को किया। दो दिवसीय प्रशिक्षण के पहले दिन कार्यक्रम की शुरुआत में पूर्व राष्ट्रपति डॉ॰ ए0 पी0 जे0 अब्दुल कलाम को दो मिनट मौन रख कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अपने उद्घाटन संबोधन में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने कहा कि सभी आपदा स्थानीय होती हैं जिसमें कि स्थानीय प्रशासन की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। स्थानीय प्रशासन की भूमिका आपदा के वक्त फ़र्स्ट रेस्पोंडर की होती है। इसलिए क्षमता का विकास होना अतिआवश्यक हो जाता है। आईडीआरएन के तहत संसाधनों की मैपिंग श्रृंखलाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

NIDM से आयी प्रशिक्षण अनुपमा से (Administrator, IDRN) ने इसके बारे में बताते हुए कहा कि यह एक ऐसी सुविधा है जिसके तहत हम किसी भी राज्य एवं जिले में उपलब्ध संसाधनों के बारे में अद्यतन जानकारी प्राप्त कर सकते है। इससे किसी भी आपदा के समय राज्य एवं जिले के संसाधनों को तुरंत उपयोग में ला सकते हैं। IDRN को सफल बनाने के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन को एकजुट हो कर IDRN के तहत संसाधनों का प्रबंधन सिलसिलेवार रूप से करना होगा। इस अवसर राज्य के 19 जिलों के सूचना पदाधिकारी, वरीय उपसमाहर्ता, NIC के श्री राजेश कुमार सिंह, ए0 एस0 आइ0 ओ0 श्रीमती नंदा सिंह के अलावा प्राधिकरण के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

# बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का 8वां स्थापना दिवस

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 8वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन 19 दिसंबर, 2016 को अधिवेशन भवन में किया गया। स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन आपदा प्रबंधन मंत्री, प्रो0 चन्द्रशेखर ने किया। इस अवसर पर अन्य विशिष्ट लोगों में मुख्य रूप से प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, श्री अनिल कुमार सिन्हा, सदस्य, प्रो0 ए0एस0 आर्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य, श्री कमल किशोर, आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव, श्री व्यास जी, महानिदेशक (अग्निशाम सेवा एवं गृह रक्षावाहिनी) श्री पी0एन0 राय, राष्ट्रीय सेवा योजना पटना विश्व विद्यालय के संयोजक डॉ0 अतुल आदित्य पाण्डेय, एन0डी0आर0एफ0 कमांडेंट, श्री विजय सिन्हा, एस0डी0आर0एफ0 कमांडेंट, श्री विनोद कुमार, सशस्त्र सीमा बल के डी0आई0जी0, संजय कुमार आदि उपस्थित थे।

प्राधिकरण के स्थापना दिवस का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के स्वयंसेवकों के साथ किया गया। NSS स्वयंसेवकों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र मे आगे आने का आह्वान किया गया।

# हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला 2015 में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

प्रत्येक वर्ष की भांति वर्ष 2015 में भी हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला का आयोजन पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मेले में प्राधिकरण द्वारा स्थापित किया जागरूकता हेतु स्टॉल स्थापित किया गया।

## बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के स्टॉल के माध्यम से इस वर्ष निम्नलिखित विषयों पर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया

**1. भीड़ प्रबंधन –** हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला में प्रतिदिन लाखों की संख्या में पर्यटक आते है। हाल के दिनों में बोधगया मंदिर में बम ब्लास्ट, पटना में हुँकार रैली के दौरान हुए बम ब्लास्ट एवं देश के अन्य शहरों में हुए आतंकी हमलों के मद्देनजर तथा पटना के अदालतगंज घाट पर छठ पूजा के दौरान हुई भगदड़, दशहरा के दौरान गांधी मैदान में हुई भगदड़ के कारण हुए अपूर्णीय क्षति से सीख लेते हुए, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा भीड़ नियंत्रण का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

**2. पशु सुरक्षा पर प्रा1र्शनी –** किसी भी आपदा के समय पशुओं की सुरक्षा, खोज और बचाव, प्राथमिक चिकित्सा पर आम जन -मानस की कम जानकारी होती है। अतः बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा वर्ल्ड एनिमल प्रोटेक्शन (WAP) के सहयोग से प्रदर्शनी लगा कर इन आयामों पर आम जन-मानस के बीच जागरूकता उत्पन्न की गई तथा आपदा के समय पशुओं की महत्वता को दर्शाया गया।

3. **राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF)** द्वारा बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के स्टॉल से विभिन्न प्रकार के आपदा यथा बाढ़, भूकंप आदि के दौरान इस्तेमाल किये जाने वाले Equipments की प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही NDRF द्वारा बाढ़ से बचाव हेतु मॉक ड्रिल किया गया जिसमें स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ कर हिस्सा लिया।

# अनुलग्नक : 1

| क्र0 | पद का नाम | स्वीकृत बल | कार्यरत बल |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | mik/;{k ¼e=h Lrj½ lnL; 07 ¼jkT;e=h Lrj | 8 bl in e l ,d mik/;{k | 3 |
| 2 | सचिव/विशेष सचिव | 1 | 1 |
| 3 | अपर सचिव | 1 | 0 |
| 4 | संयुक्त सचिव | 1 | 0 |
| 5 | माननीय उपाध्यक्ष के विशेष कार्य पदाधिकारी | 1 | 1 |
| 6 | वरीय सलाहकार (तकनीकी) | 1 | 1 |
| 7 | सलाहकार (तकनीकी) | 1 | 0 |
| 8 | वरीय सलाहकार, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन | 1 | 1 |
| 9 | वरीय सलाहकार, प्राकृतिक आपदा | 1 | 1 |
| 10 | वरीय सलाहकार, मानव संसाधन क्षमतावर्धन एवं प्रशिक्षण | 1 | 1 |
| 11 | वरीय सलाहाकार, मानव जनित आपदा | 1 | 0 |
| 12 | वरीय सम्पादक/सम्पादक | 1 | 1 |
| 13 | परियोजना पदाधिकारी, प्राकृतिक आपदा | 1 | 1 |
| 14 | परियोजना पदाधिकारी, मानव जनित आपदा | 1 | 1 |
| 15 | परियोजना पदाधिकारी, मानव संसाधन क्षमतावर्धन एवं प्रशिक्षण | 1 | 1 |
| 16 | परियोजना पदाधिकारी, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन | 1 | 1 |
| 17 | वित्तीय सलाहकार | 1 | 1 |
| 18 | लेखा पदाधिकारी | 1 | 1 |
| 19 | वरीय शोध पदाधिकारी | 5 | 0 |
| 20 | वरीय तकनीकी सहायक/तकनीकी सहायक | 4 | 2 |
| 21 | सहायक सम्पादक | 1 | 0 |
| 22 | जन सम्पर्क पदाधिकारी | 1 | 0 |
| 23 | परियोजना सहायक/अनुसंधान सहायक | 4 | 0 |
| 24 | उप सचिव | 1 | 0 |
| 25 | अवर सचिव | 2 | 1 |
| 26 | प्रशाखा पदाधिकारी | 3 | 2 |
| 27 | सहायक | 6 | 3 |
| 28 | निजी सहायक | 10 | 1 |
| 29 | रोकड़पाल | 2 | 1 |
| 30 | उच्च वर्गीय लिपिक | 2 | 0 |
| 31 | निम्न वर्गीय लिपिक | 3 | 1 |
| 32 | चालक | 8 | 5 |
| 33 | आदेशपाल/कार्यालय परिचारी/अनुसेवक | 13 | 6 |
| 34 | सफाई कर्मी | 1 | 1 |
| 35 | गार्ड | 5 | 0 |

# Bihar State Disaster Management Authority

2nd, Floor, Pant Bhawan, Bailey Road, Patna- 800001

Receipts & Payments Accounts for the year ended 31 st March 2016

| **Receipts** | **For the year ended** 31-3-2016 | Payments | For the year ended 31-3-2016 |
|---|---|---|---|
| Opening Balance | | Commercial & Special Services | 1,25,88,539.00 |
| Cash in Hand | 39,694.00 | Electricity Expenses | 5,40,890.00 |
| Cash at Bank | 41,59,180.00 | Medical Reimbursement | 1,57,079.00 |
| Loans & Advances | 71,901.00 | Office Expenses | 74,77,387.50 |
| | | Printing & Publication | 30,12,002.00 |
| | | Prize | 1,21,000.00 |
| | | Rent Rates & Taxes | 4,77,823.00 |
| | | Salary | 1,64,82,228.00 |
| | | Telephone Expenses | 4,38,653.00 |
| | | Travelling Allowance | 7,80,139.00 |
| | | Vechile Fuel & Maintenance | 5,06,883.00 |
| Funds Received | | Fixed Assets | 8,61,943.00 |
| From Government of Bihar | 4,24,90,000.00 | | |
| Miscellaneous Income<br>Bank Interest | 6,08,521.00 | | |
| Other Income (Sale of Scrap, Old Battery) | 7,000.00 | Closing Balance | |
| | | Cash in Hand | 37,226.00 |
| | | Cash in Bank | 38,24,503.00 |
| | | Loans & Advances | 70,000.00 |
| | **4,73,76,296.00** | | **4,73,76,296.00** |

# Contact Details of BSDMA Officers & Employees

| Sr. N0. | Name | Designation | Telephone No. | Mobile No. | Residence No. | E-mail |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Shri Anil K. Sinha, IAS (Rtd.) | Vice Chairman | 0612-252203 Fax- 2532311 | 9473400208 | | vice_chair@bsdma.org |
| 2 | Dr. A. S. Arya | Member | | 9818997029 | | asarun3155@gmail.com |
| 3 | Dr. U.K. Misra | Member | | 9910688228 | | mkuday@bsdma.org |
| 4 | Shri Naresh Paswan, BAS | Secretary | | 0612-2532311 | 9931460575 | naresh_paswan@bsdma.org |
| 5 | Shri Anil Sinha, BAS(Rtd.) | O S D to VC | | 9431859650 | | anilsinha53@bsdma.org |
| 6 | Shri Shatrughan Singh | Financial Advisor | | 9334206929 | 9934466442 | ssingh.5191@gmail.com |
| 7 | Shri Anil Kr. Jha | Under Secy. | | 933441081 | | |
| 8 | Shri Barun K. Mishra | Sr. Advisor (Tech.) | | 9431011010 | 2350069 | samolji@gmail.com |
| 9 | Shri R. K. Naraen | P S to VC | | 9334390988 | | rajeshnaraen@yahoo.com |
| 10 | Shri Anuj Tiwari | Sr. Advisor | | 7763970778 | | anujtiwari@bsdma.org |
| 11 | Shri Shanker Dayal | Sr. Advisor | | 9955513835 | 8809897353 | shankardayal@bsdma.org |
| 12 | Ajit Kr. Samaiyar | Sr. Advisor (Env & CCA) | | | 9431453768 | ajitsamaiyar@bsdma.org |
| 13 | Mrs. Monisha Dubey | Sr. Editor | | 7543030899 | | monishadubey@bsdma.org |
| 14 | Dr. Madhubala | P. O. | | 9431480431 | | madhubsdma@gmail.com |
| 15 | Shri Anand Bijeta | P.O. | | 9334409588 | | anandvijeta@bsdma.org |
| 16 | Shri Vishal Vasvani | P.O. | | 9334984394 | | vishal.vasvani@gmail.com |
| 17 | Shri Asif Shahab | P. O. | | 9798458162 | | asifshahab@bsdma.org |
| 18 | Shri Manikant Singh | PA to VC | | 8986002139 | | manikant@bsdma.org |
| 19 | Shri Ramesh Chandra Jha | PA to VC | | 9955456126 | | rameshjha0906@gmail.com |
| 20 | Sumbul Afroz | Sr. Tech. Assistant | | 8538942266 | | sumbulafroz@bsdma.org |
| 21 | Shri Manoj Kumar | Tech. Assistant | | 9334312098 | | manoj@bsdma.org |
| 22 | Shri Vikas Kumar | Accounts Officer | | 9931116336 | | vikashdadaca@gmail.com |

# RAM SHANKAR & ASSOCIATES

Chartered Accountants

# Audit Report

F/y-2015-16

Ram Shankar & Associates
Chartered Accountants

# AUDITORS REPORT

We have audited the annexed Balance Sheet of "**Bihar State Disaster Management Authority (Govt. Of Bihar)**" of $2^{nd}$ **Floor Pant Bhawan, PATNA** as at 31.03.2016 and the Income & Expenditure for the year ended on that date. These Financial Statements are responsibility of the management and our responsibility is to express opinion on this financial statement.

We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India.

These standards require that we plan and perform to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material statement.

We report thereon as follows:-

A) We have obtained all information and explanations which to the best of our knowledge and believe were necessary for the purpose of our audit.

B) In our opinion proper books of accounts have been maintained by the organization so far as it appears from the examination of those books.

C) The Balance Sheet and Income & Expenditure are in conformity with the books of Accounts.

D) In our opinion and to the best our information and according to explanation given to us, the said statement gives a true and fair view:-
   a) In the case Balance sheet of the State of affairs as at $31^{st}$ March 2016.
   b) In the case Income & Expenditure Accounts for the year ended on that date.

Ram Shankar & Associates Patna-Ranchi

Place: Patna

Date: $14^{th}$ Sept.,2016

For Ram Shankar & Associates
Chartered Accountant

(RAM SHANKAR)
Managing Partner
Membership No. 421258

Office: Krishna Bhawan Compound, Behind Hotel Rajasthan, Frazer Road, Patna - 800 001
Contact :- +919304999496, Whatsapp :- +919504831389, Facebook : caram.shankar
Email: ca_ramshankar@live.com

(90)

**SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2016**

**SCHEDULE A**

## A. Significant Accounting Policies

### 1. BASIS OF ACCOUNTING

The Organisation prepares its accounts on payment basis in accordance with generally accepted Accounting policies.

### 2. FIXED ASSETS

Fixed Assets are valued at cost which includes all related expenses incidental to acquisition and installation.

Ram Shankar & Associates * Patna-Ranchi * CA

Place: Patna

Date: 14th Sept.,2016

For Ram Shankar & Associates
Chartered Accountant

(RAM SHANKAR)
Managing Partner
Membership No. 421258

## NOTES ON ACCOUNTS

1. Contingent liabilities Rs. NIL.
2. Schedule A contains Notes to Accounts.
3. In the financial Statement, fund received from Govt. of Bihar in the form of Grants-in-Aid Salary & Grants-in-Aid other than salary only has been accounted for. Other funds & their related expenses have not been included in the Financial Statement.
4. In Bank Reconciliation Statement, unspent balance of funds from other than Grants-in-Aid Salary & Grants-in-Aid other than salary have not been taken i.e. they are deducted from the Bank balance shown by the Bank Statement .
5. A statement showing Expenses and Unspent Balance or Cheque issued but not cleared till 31.03.2016 related to other funds has been attached along with Bank Reconciliation Statement.

Ram Shankar & Associates * Patna Ranchi *

Place: Patna

Date: 14th Sept.,2016

For Ram Shankar & Associates
Chartered Accountant

(RAM SHANKAR)
Managing Partner
Membership No. 421258

**Bihar State Disaster Management Authority (Got. Of Bihar)**
**2nd Floor Pant Bhawan, Bailey Road**
**Balance Sheet as at 31st March 2016**

| Capital / Liabilities | Schedule No. | As at 31st March 2016 | Assets | Schedule No. | As at 31st March 2016 |
|---|---|---|---|---|---|
| **Capital Fund** | 1 | 35,68,370.00 | **Fixed Assets** | 6 | 35,68,370.00 |
| | | | **Current Assets, Loans & Advances** | | |
| **Restricted Fund** | 2 | 38,72,903.50 | | | |
| | | | **Current Assets** | | |
| **Current Liabilities** | | | Cash in Hand | 3 | 37,226.00 |
| Vat Payable | | 58,826.00 | Cash at Bank | 4 | 38,24,503.50 |
| | | | | | **74,30,099.50** |
| | | | **Loans & Advances** | 5 | 70,000.00 |
| **Total** | | **75,00,099.50** | **Total** | | **75,00,099.50** |

In terms of our report of even date

Ram Shankar & Associates
Chartered Accountants
Firm registration No. 017626C

RAM SHANKAR
Managing Partner
M.No:- 421258

Place : Patna
Date : 14th September, 2016

Ram Shankar & Associates
Patna-Ranchi

**Bihar State Disaster Management Authority (Govt. Of Bihar)**
**2nd Floor, Pant Bhawan, Bailey road, Patna:-800001**
**Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2016**

| Expenditure | For the year ended 31-3-2016 | Income | For the year ended 31-3-2016 |
|---|---|---|---|
| Commercial & Special Services | 125,88,539.00 | Fund Received to the extent utilized during the | 428,87,871.50 |
| Electricity Expenses | 5,40,890.00 | **Less:** Expenditure in Fixed Assets | |
| Medical Reimbursement | 1,57,079.00 | transferred to Capital Fund Account | 8,61,943.00 |
| Office Expenses | 75,36,213.50 | | **420,25,928.50** |
| Printing & Publication | 30,12,002.00 | **Miscellaneous Income** | |
| Prize | 1,21,000.00 | Bank Interest | 6,08,521.00 |
| Rent Rates & Taxes | 4,77,823.00 | Sale of Scrap (Old Battery) | 7,000.00 |
| Salary | 164,82,228.00 | | |
| Telephone Expenses | 4,38,653.00 | | |
| Travelling Allowance | 7,80,139.00 | | |
| Vechile Fuel & Maintenance | 5,06,883.00 | | |
| | **426,41,449.50** | | |
| **Add: Fixed Assets purchased during the year** | 8,61,943.00 | | |
| Total Expenditure | **435,03,392.50** | | |
| **Less: Fixed Assets transferred** | 8,61,943.00 | | |
| **Total** | **426,41,449.50** | **Total** | **426,41,449.50** |

In terms of our report of even date

Ram Shankar & Associates
Chartered Accountants
Firm registration No. 017626C

RAM SHANKAR
Managing Partner
M.No:- 421258

Place : Patna
Date : 14th September, 2016

Ram Shankar & Associates
Patna-Ranchi

**Bihar State Disaster Management Authority**
**2nd Floor, Pant Bhawan, Bailey road, Patna:-800001**
**Receipts & Payments Accounts for the year ended 31st March 2016**

| Receipts | For the year ended 31-3-2016 | Payments | For the year ended 31-3-2016 |
|---|---|---|---|
| **Opening Balance** | | Commercial & Special Services | 125,88,539.00 |
| Cash in Hand | 39,694.00 | Electricity Expenses | 5,40,890.00 |
| Cash at Bank | 41,59,180.00 | Medical Reimbursement | 1,57,079.00 |
| Loans & Advances | 71,901.00 | Office Expenses | 74,77,387.50 |
| | | Printing & Publication | 30,12,002.00 |
| | | Prize | 1,21,000.00 |
| | | Rent Rates & Taxes | 4,77,823.00 |
| | | Salary | 164,82,228.00 |
| | | Telephone Expenses | 4,38,653.00 |
| | | Travelling Allowance | 7,80,139.00 |
| | | Vechile Fuel & Maintenance | 5,06,883.00 |
| **Funds Received** | | **Fixed Assets** | 8,61,943.00 |
| From Government of Bihar | 424,90,000.00 | | |
| **Miscellaneous Income** | | | |
| Bank Interest | 6,08,521.00 | | |
| Other Income (Sale Of Scrap,Old battery) | 7,000.00 | **Closing Balance** | |
| | | Cash in Hand | 37,226.00 |
| | | Cash at Bank | 38,24,503.50 |
| | | Loans & Advances | 70,000.00 |
| | **473,76,296.00** | | **473,76,296.00** |

In terms of our report of even date

Ram Shankar & Associates
Chartered Accountants
Firm registration No. 017626C

RAM SHANKAR
Managing Partner
M.No:- 421258

Place : Patna
Date : 14th September, 2016

Ram Shankar & Associates
Patna-Ranchi

## Bihar State Disaster Management Authority (Govt. of Bihar)

### Schedules to the Balance Sheet

| | |
|---|---|
| **Schedule 1** | |
| **Capital Fund** | **As at 31st March 2016** |
| Opening Balance | 27,06,427.00 |
| Add :Transferred during the year being Capital Expenditure in nature | 8,61,943.00 |
| **Total** | **35,68,370.00** |
| **Schedule 2** | |
| **Restricted Fund** | **As at 31st March 2016** |
| Opening Balance | 42,70,775.00 |
| Add:-Fund from Government of Bihar | 424,90,000.00 |
| Bank Intrest | 6,08,521.00 |
| Other Income | 7,000.00 |
| **Total (A)** | **473,76,296.00** |
| Less: Expenditure incurred during the year | 426,41,449.50 |
| Less: Expenditure on Fixed Assets transferred to Capital Fund | 8,61,943.00 |
| **Total (B)** | **435,03,392.50** |
| **Total (A-B)** | **38,72,903.50** |
| **Schedule 3** | |
| **Cash in Hand** | |
| **Particulars** | **As at 31st March 2016** |
| **Cash in hand** | 37,226.00 |
| **Schedule 4** | |
| **Cash At Bank** | |
| **Particulars** | **As at 31st March 2016** |
| State Bank of India (S.k.puri Branch) Account No. 33641154008 | 38,24,503.50 |
| **Total** | **38,24,503.50** |

In terms of our report of even date

Ram Shankar & Associates
Chartered Accountants
Firm registration No. 017626C

RAM SHANKAR
Managing Partner
M.No:- 421258

Place : Patna
Date : 14th September, 2016

**Bihar State Disaster Management Authority (Govt. of Bihar)**

**Schedule 5**

| **Loans & Advances (Asset)** | **As at 31st March 2016** |
|---|---|
| Ajit Kumar Samaiyar | 5000.00 |
| Anil Kumar Jha | 15000.00 |
| Anand Bijeta | 20000.00 |
| Anuj Tiwari | 15000.00 |
| Asif Sahab | 5000.00 |
| Rajesh K Naraen | 5000.00 |
| Vishal Vasvani | 5000.00 |
| **Grand Total** | **70000.00** |

In terms of our report of even date

Ram Shankar & Associates
Chartered Accountants
Firm registration No. 017626C

RAM SHANKAR
Managing Partner
M.No:- 421258

Place : Patna
Date : 14th September, 2016

Ram Shankar & Associates Patna-Ranchi CA

**Bihar State Disaster Management Authority (Govt. of Bihar)**
**Schedules to the Balance Sheet**

**Schedule 6**
**Fixed Assets** (Amount in Rs.)

| Particulars | Balance as on 01-04-2015 | Addition During the year | Balance as on 31-03-2016 |
|---|---|---|---|
| Airconditioner | 5,95,233.00 | 43,000.00 | 6,38,233.00 |
| Computer | 4,02,256.00 | 2,68,900.00 | 6,71,156.00 |
| Laptops | 8,23,100.00 | - | 8,23,100.00 |
| UPS/Inverter | 76,050.00 | - | 76,050.00 |
| Furniture | 1,78,868.00 | 4,59,743.00 | 6,38,611.00 |
| Speaker Telephone Set | 5,775.00 | - | 5,775.00 |
| LCD TV/TV | 96,200.00 | 29,300.00 | 1,25,500.00 |
| Water Filter | 68,800.00 | - | 68,800.00 |
| Hard Disk | 9,818.00 | - | 9,818.00 |
| Camera | 14,800.00 | - | 14,800.00 |
| Fire Extinguisher | 9,627.00 | - | 9,627.00 |
| Battery | 11,900.00 | 61,000.00 | 72,900.00 |
| Printer | 2,58,870.00 | - | 2,58,870.00 |
| Public Address System | 92,600.00 | - | 92,600.00 |
| Wireless Router | 2,900.00 | - | 2,900.00 |
| E-Pabex System | 53,130.00 | - | 53,130.00 |
| Apple Adaptor | 6,500.00 | - | 6,500.00 |
| **Total** | **27,06,427.00** | **8,61,943.00** | **35,68,370.00** |

In terms of our report of even date

Ram Shankar & Associates
Chartered Accountants
Firm registration No. 017626C

RAM SHANKAR
Managing Partner
M.No:- 421258

Place : Patna
Date : 14th September, 2016

Ram Shankar & Associates * Patna-Ranchi *

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Bihar State Disaster Management Authority, (Govt. Of Bihar) | | | | |
| 2nd Floor Pant Bhawan, Patna:- 800001, Bihar | | | | |
| Bank Reconciliation Statement | | | | |
| As on Dated 31/03/2016 | | | | |
| | **Particulars** | **Cheque no.** | **Amount** | **Amount** |
| | **Balance as per Cash Book** | | | **38,24,503.50** |
| Add:- | | | | |
| | **Cheque issued but not presented for payment/Bank Interest given by bank /Others** | | | |
| 1 | R.k.dabe | 009218 | 2,500.00 | |
| 2 | Qaumi Tanzeem Publication Private Limited | 009233 | 5,975.00 | |
| 3 | Bennett Coleman & Co. Limited | 009236 | 4,345.00 | |
| 4 | Bennett Coleman & Co. Limited | 009239 | 3,102.00 | |
| 5 | Shashwat printers limited | 537389 | 96,085.00 | |
| 6 | Farooqui Tanzeem | 696189 | 7,394.00 | |
| 7 | Arun Mishra | 696207 | 245.00 | |
| 8 | Medha Suryanshi | 793035 | 15,000.00 | |
| 9 | Rajendra Ram | 793056 | 5,000.00 | |
| 10 | Asif Sahab | 006339 | 2,600.00 | |
| 11 | SBPDCL (Electricity bill of Dr. Uday Kant Mishra) | 006340 | 1,382.00 | |
| 13 | Accounts Officer (Cash), BSNL O/o PGMTD Patna | 006347 | 9,760.00 | |
| 14 | Airtel Mobile No. 9473400208 | 006348 | 1,000.00 | |
| 15 | Airtel Mobile No. 7763801442 | 006349 | 1,817.00 | |
| 16 | Airtel Mobile No. 7541812020 | 006350 | 1,703.00 | |
| 17 | Airtel Mobile No. 9818997029 | 006351 | 750.00 | |
| 18 | Jagjiwan Singh | 006355 | 14,300.00 | |
| 19 | Sarpgandha Vatika | 006359 | 12,000.00 | |
| 20 | Shankar Jha | 006360 | 1,937.00 | |
| 21 | Shri Enterprises | 006361 | 6,883.00 | |
| 22 | Shri Enterprises | 006362 | 4,652.00 | |
| 23 | Shri Enterprises | 006363 | 7,380.00 | |
| 24 | Shri Enterprises | 006364 | 2,700.00 | |
| 25 | Shri Enterprises | 006365 | 6,180.00 | |
| 26 | Shri Enterprises | 006366 | 9,243.00 | |
| 27 | Shri Enterprises | 006367 | 9,432.00 | |
| 28 | Shri Enterprises | 006368 | 2,336.00 | |
| 29 | Shri Enterprises | 006369 | 7,105.00 | |
| 30 | Shri Enterprises | 006370 | 6,720.00 | |
| 33 | Accounts Officer (Cash), BSNL O/o PGMTD Patna | 006300 | 11,812.00 | |
| 35 | Ramesh Chandra Jha | 941145 | 308.00 | |
| 36 | Bihar Institue of Public Administration &Rural Devlopment | 941115 | 15,543.00 | |
| 37 | Bihar Institue of Public Administration &Rural Devlopment | 707986 | 15,512.00 | |
| 44 | Excess debited by Bank | | (9.00) | |
| 46 | Neft Failed | | 15,000.00 | |
| 47 | Qaumi Tanzeem | 346429 | 27,921.00 | |
| 48 | Qaumi Tanzeem | 506616 | 27,921.00 | |
| 49 | Jagran Prakashan Limited | 346449 | 14,094.00 | |
| 50 | Jagran Prakashan Limited | 346392 | 27,459.00 | |
| 51 | Bennett Coleman & Co. Limited | 844982 | 2,688.00 | |
| 52 | Jagran Prakashan Limited | 346422 | 1,65,118.00 | |
| 53 | Sahara India Mass Communication | 506622 | 24,190.00 | |
| 54 | Dy. Commissioner of Commercial Taxes , Central Circle Patna | 006372 | 4,830.00 | |
| 55 | Dy. Commissioner of Commercial Taxes , West Circle Patna | 941107 | 5,836.00 | |
| 56 | Dy. Commissioner of Commercial Taxes , Central Circle Patna | 506576 | 505.00 | |
| 57 | Dy. Commissioner of Commercial Taxes , Gandhi Maidan Patna | 506648 | 5,418.00 | |
| 58 | Dy. Commissioner of Commercial Taxes , Central Circle Patna | 707946 | 861.00 | |
| 59 | Dy. Commissioner of Commercial Taxes ,East Circle Patna | 346361 | 6,090.00 | |
| 60 | Dy. Commissioner of Commercial Taxes ,Central Circle Patna | 845068 | 1,755.00 | |
| 61 | Dy. Commissioner of Commercial Taxes , Gandhi Maidan Circle Patna | 844994 | 11,076.00 | |
| 62 | Dy. Commissioner of Commercial Taxes , Central Circle Patna | 874535 | 1,838.00 | |

Ram Shankar & Associates * Patna-Ranchi *

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 63 | Dy. Commissioner of Commercial Taxes , West Circle Patna | 874523 | 918.00 | |
| 64 | Dy. Commissioner of Commercial Taxes , West Circle Patna | 874529 | 5,067.00 | |
| 65 | Sujata Hotels Private Limited | 707912 | 40,697.00 | |
| 66 | Dr. Rajan Sinha | 346440 | 5,000.00 | |
| 67 | Prof. Santosh Kumar | 346441 | 5,000.00 | |
| 68 | Dr. Mukund Das | 346442 | 5,000.00 | |
| 69 | Vijay Shil Gautam | 346407 | 5,000.00 | |
| 70 | Rajesh Chandra Sharma | 346399 | 5,000.00 | |
| 71 | Pradhan Parth Sarthi | 346372 | 5,000.00 | |
| 72 | Bharat Jyoti | 346373 | 5,000.00 | |
| 73 | Adhikshak Sachivalaya Mudranalaya | 845069 | 1,623.00 | |
| 74 | Goodone Infotech | 845017 | 3,951.00 | |
| 75 | Bhusampada sah nikasi evam vyayan Padadhikari | 042626 | 5,856.00 | |
| 76 | Arun Mishra | 874501 | 245.00 | |
| 77 | Sunny Star Hotel Private Limited | 941181 | 7,050.00 | |
| 78 | Income Tax | 845075 | 1,013.00 | |
| | | **Total** | 7,36,712.00 | 7,36,712.00 |
| | | | Total | **45,61,215.50** |
| **Less:-** | Cancellation of Draft in Favour of Dy Director GPF directorate Bihar Patna, not deposited in bank | | | **41,374.00** |
| | **Bank Balance as per Bank Statement (On the basis of Bank Fund Reconciliation Statement)** | | | **45,19,841.50** |

In terms of our report of even date

Ram Shankar & Associates
Chartered Accountants
Firm registration No. 017626C

RAM SHANKAR
Managing Partner
M.No:- 421258

Place : Patna
Date : 14th September, 2016

| Reconciliation Statement of Bank Balance | | | |
|---|---|---|---|
| **Balance as per Bank Statement as on dated 31.03.2016** | | | 50,11,447.50 |
| Less:-Funds Other than "Grants-in-Aid Salary and Grants-Aid- Other than Salary" received from Govt. Of Bihar viz. NIDM,others. | Received | Spent | Unspent Balance or Cheque issued but not cleared till 31.03.2016 |
| Other Dep Transfer | 2,10,000.00 | 2,10,000.00 | - |
| Other Dep Transfer | 72,000.00 | 72,000.00 | - |
| Other Dep Transfer | 18,000.00 | 18,000.00 | - |
| Other Dep Transfer | 5,00,000.00 | 52,500.00 | 4,47,500.00 |
| Other Dep Transfer | 73,513.00 | 71,907.00 | 1,606.00 |
| Other Dep Transfer | 21,000.00 | - | 21,000.00 |
| Other Dep Transfer | 21,500.00 | - | 21,500.00 |
| **Total** | **9,16,013.00** | **4,24,407.00** | **4,91,606.00** |
| **Closing Bank Balance for Grants-in-Aid** | | | **45,19,841.50** |

In terms of our report of even date

Ram Shankar & Associates
Chartered Accountants
Firm registration No. 017626C

RAM SHANKAR
Managing Partner
M.No:- 421258

Place : Patna
Date : 14th September, 2016

## भूकम्परोधी मकान बनाने को प्रशिक्षण

सुरक्षा के लिए

## आपदा जोखिम घटाने को जिला स्तर पर होगा प्रबंधन

विपदा के वक्त स्थानीय प्रशासन की अहम भूमिका को देखते हुए दिया गया जिला प्राधिकारों को सुदृढ़ करने पर जोर

## जलवायु परिवर्तन से निबटने को एक्शन प्लान

पटना। जलवायु परिवर्तन व उसके दुष्प्रभावों से निबटने के लिए बिहार सरकार की ओर से एक एक्शन प्लान बनाया जाएगा। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की सलाहकार समिति की बैठक में इस पर कई लोगों ने अपने विचार रखे।

उपाध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा ने कहा कि पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन की सलाहकार समिति की बैठक से मिली अनुशंसाओं को एक्शन प्लान में शामिल किया जाएगा। अपने इलाके में डेटा की कमी है पर ज्ञान की कमी नहीं है। जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों पर काम कर एक्शन प्लान बनाया जाएगा। बिहार के संबंध में विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए हैं।

## ...सीखेंगे आपदा से बचने के उ...

...साल 4 जुलाई को मनाया जायेगा विद्यालय सुरक्षा जागरूक...

## सिलेंडर की आग बुझाने की ट्रेनिंग

हिंदुस्तान * पटना * 17 अप्रैल 2015

## जागरूकता के बल पर आपदा से निबटना संभव : चंद्रशेखर

सेमिनार

## बिहार अनेक आपदा के खतरे वाला क्षेत्र : मंत्री

पटना 3 जुलाई, 2015

## ...हजार बच्चे करेंगे प्राकृतिक आपदा से निब...

## ...को व पकड़ो, फिर र...

## त्वरित कार्रवाई से ही आपदा पर काबू संभव

आयोजन

## आपदा से लोगों की रक्षा सरकार की प्राथमिकता

मंत्री बोले

## भूकंपरोधी मकान के लिए खुलेंगे सहायता केंद्र

## आपदा में कम हो क्षति, इसके लिए जागरुकता जरूरी : मंत्री

बहुमंजिली भवनों के भूकंपरोधी निर्माण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण की हुई शुरुआत

## भूकंपरोधी मकान के लिए मिलेगी मुफ्त सलाह

सभी जिला मुख्यालयों में स्थापित होंगे सलाह केंद्र

# प्राधिकरण : खबरों में

| Group | Profile | Constituent Districts |
|---|---|---|
| Group A Districts (10) | Mainly Flood Prone and Earthquake Zone V | Araria, Drabhanga, East Champaran, Kishanhanj, Madhepura, Madhubani, Saharsa, Sheohar, Sitamarhi, and Supaul |
| Group B Districts (18) | Mainly Flood Prone and Earthquake Zone IV | Banka, Begusarai, Bhagalpur, Bhojpur, Gopalganj, Katihar, Khagariya, Lakhisarai, Muzaffarpur, Nalanda, Patna, Purnia, Saran, Samastipur, Sheikhpura, Siwan, Vaishali, and West Champaran |
| Group C Districts (10) | Mainly Drought Prone and Earthquake Zone III | Arwal, Aurangabad, Buxar, Gaya, Jamui, Jehanabad, Kaimur, Munger, Nawada, and Rohtas |
| All Districts in Groups A, B and C prone to fire, hail storm, heat wave, cold wave, lightning, road accidents and stampede etc. | | |